सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | गुरूवार, 05 दिसंबर 2024 | वर्ष: 02, अंक: 290 पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एलएसी के दोनों तरफ भारी मात्रा में हथियारों की तैनाती हुई थी: जयशंकर

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में भारत और चीन के रिश्तों को लेकर बयान दिया। उन्होंने इस दौरान भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की मौजूदा स्थिति की भी जानकारी दी। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ एलएसी पर कुछ हिस्से को लेकर असहमति है, जिसे दूर करने के लिए भारत और चीन समय-समय पर बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा, "गलवां घाटी में जून 2020 में हुई झड़प की घटना का भारत-चीन के रिश्तों पर असर पड़ा था। यह 45 वर्षों में पहली बार सीमा पर सैनिकों की जान जाने का मसला नहीं था, बल्कि इसके चलते एलएसी के दोनों तरफ भारी मात्रा में हथियारों की तैनाती हुई थी। हमारे सैन्य बलों ने कोविड काल, रसद की चुनौतियों और भीषण ठंड का सामना करते हुए गलवां घटनाक्रम में समुचित प्रतिक्रिया दी।

वे तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाबी तैनाती करने में सक्षम थे।" जयशंकर ने कहा कि चरण-दर-चरण प्रक्रिया के माध्यम से पूर्वी लद्दाख में सैनिकों की वापसी का काम संपन्न हो गया है, जो अभी देपसांग और डेमचोक में पूरी तरह संपन्न होना है। जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों के संबंध एलएसी की मर्यादा का सख्ती से सम्मान करने और समझौतों का पालन करने पर निर्भर होंगे। उन्होंने कहा, हमारे संबंध कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं, लेकिन हाल की घटनाओं से स्पष्ट रूप से नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। हम स्पष्ट हैं कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना हमारे संबंधों के विकास की बुनियादी शर्त है।

देवेंद्र फडणवीस आज लेंगे सीएम पद की शपथ

गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे नई सरकार की शपथ विधि को मंजूरी

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी सरकार के समक्ष चुनौतियां बहुत हैं। हमने चुनाव प्रचार के दौरान जो वादे जनता से किए हैं,

मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलकर महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने का दावा किया है। इसके बाद राज्यपाल ने गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे नई सरकार की शपथ विधि को मंजूरी दे दी। इस मौके पर शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजीत पवार समूह के अध्यक्ष अजीत पवार, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुधवार को विधानभवन में आयोजित की गई थी। इस बैठक में देवेंद्र फडणवीस को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने वर्षा शासकीय आवास पर गए। इन तीनों नेताओं के बीच भावी सरकार के गठन को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ राजभवन गए और राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि आज वे शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार के साथ राज्यपाल से मिले और उन्हें एनडीए के सहयोगी दलों की ओर सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने पत्र देखने के बाद हमें सरकार गठन की मंजूरी दी है। इसलिए गुरुवार शाम को हमारी सरकार का शपथ विधि होगी। हम तीनों साथ बैठकर मंत्रियों के नाम तय करने वाले हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी सरकार के समक्ष चुनौतियां बहुत हैं। हमने चुनाव प्रचार के दौरान जो वादे जनता से किए हैं, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार ने कहा कि उन्होंने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार बनाने का समर्थन दिया है, इसलिए काम-काज में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

दोनों नेता शपथ लेंगे- देवेंद्र फडणवीस

महायुति नेताओं की तरफ से की जा रही प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक संवाददाता ने एकनाथ शिंदे से सवाल पूछा कि, क्या वे अब सरकार में शामिल होने के लिए राजी हैं या नहीं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कल तक का इंतजार करो। जिसके बाद अजित पवार ने मजाकिया अंदाज में अपना पक्ष रखा फिर उस पर एकनाथ शिंदे की तरफ से चुटकी ली गई। हालांकि, आखिरी में देवेंद्र फडणवीस ने मौके को संभालते हुए स्पष्ट किया कि कोई संशय नहीं है, कल दोनों नेता शपथ लेंगे।

राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था। जिसमें महायुति ने बाजी मारते हुए 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है।

अजित पवार को सुबह और शाम दोनों समय शपथ लेने का अनुभव: शिंदे

मुंबई

महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के तौर पर देवेंद्र फडणवीस आज शपथ लेंगे। इससे पहले आज महायुति के नेताओं ने राज्यपाल से मिलकर राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया है। वहीं इसके बाद महायुति के तीनों नेताओं (एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें एकनाथ शिंदे और अजित पवार एक-दूसरे के बयानों पर मजाकिया अंदाज में चुटकी लेते नजर आए हैं। दरअसल, यह पूछे जाने पर कि क्या वह और एनसीपी प्रमुख अजित पवार भी कल उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, इस पर शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा, 'शाम तक इंतजार करें'। इस पर तुरंत जवाब देते हुए एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने कहा कि, 'शाम तक उनको समझ आएगा, मैं शपथ लूंगा, मैं इंतजार नहीं करूंगा। जिसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमकर ठहाके लगने लगे। इसके बाद अजित पवार के बयान की चुटकी लेते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा, दादा (अजित पवार) को सुबह और शाम दोनों समय शपथ लेने का अनुभव है।

एकनाथ शिंदे के शपथ लेने पर अभी भी सस्पेंस बरकरार

मुंबई

भाजपा नीत एनडीए सरकार के शपथग्रहण कार्यक्रम में शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे के शपथ लेने पर अभी तक सस्पेंस बरकरार है। हालांकि, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और राकांपा एपी अध्यक्ष अजीत पवार ने शपथ लेने को तैयार हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा है कि वे शपथ लेने के बारे में फैसला बाद में करेंगे। राजभवन से सरकार बनाने की मंजूरी मिलने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वे मंगलवार को एकनाथ शिंदे से मिलने गए थे। आज बुधवार को भी वर्षा बंगले पर जाकर उनसे चर्चा की। इसलिए कल तीन लोगों का शपथ लेना पक्का है। अन्य मंत्रियों के बारे में विचार किया जा रहा है। इसके विपरीत एकनाथ शिंदे ने कहा कि अभी तक उन्होंने शपथ लेने का फैसला नहीं लिया है। इस संदर्भ में सोच समझकर निर्णय लेंगे। इसी दौरान अजीत पवार ने कहा कि वे तो कल शपथ लेने वाले हैं। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शिवसेना की ओर से एकनाथ शिंदे को कैबिनेट में रहना चाहिए। हमें उनसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। बतादें कि एकनाथ शिंदे नई सरकार में उपमुख्यमंत्री के साथ गृहमंत्री पद की भी मांग कर रहे हैं, जबकि भाजपा के भावी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस किसी भी कीमत पर गृहमंत्री अपने पास रखना चाहते हैं। इस विषय पर भाजपा और शिवसेना शिंदे समूह के बीच चर्चा की जा रही है, लेकिन खबर लिखे जाने तक इस पर फैसला नहीं हो सका है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

कोड़ापुर में चकबंदी अदालत आज

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। ग्राम पंचायत कोड़ापुर के किसानों की समस्याओं को लेकर बंदोबस्त चकबंदी कार्यालय द्वारा बृहस्पतिवार को नोटिस के जरिए चकबंदी कार्यालय बुलाया गया था जो किसानों के लिए गंभीर समस्या थी उक्त समस्या की जानकारी होने पर ग्राम प्रधान ने सी ओ चकबंदी से वार्ता करके किसानों की समस्याओं से अवगत कराते हुए चकबंदी अधिकारियों और कर्मचारियों को ग्राम पंचायत सचिवालय कोड़ापुर में ही किसानों की संदर्भ समस्या सुनने के लिए अनुरोध किया जिस पर सी ओ चकबंदी पारसनाथ यादव ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए हुए किसानों की संदर्भ समस्या ग्राम पंचायत सचिवालय कोड़ापुर में ही सुनने के लिए आदेशित किए है सभी किसानों से ग्राम प्रधान कोड़ापुर ने अनुरोध किया है कि अपनी अपनी समस्याओं की नोटिस लेकर ग्राम पंचायत सचिवालय कोड़ापुर समय 11 बजे एक दूसरे को सूचित करते हुए जरूर पहुंचे उक्त चकबंदी अदालत में सभी किसानों की समस्याएं सुनी जाएगी।

फूलपुर में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर कस्बे के पूर्वी रेलवे फाटक पर बुधवार देर शाम ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की घटना स्थल पर मौत हो जाने से घर में कोहराम मच गया सूचना मिलने पर परिजनों सहित स्थानीय लोगों की भरी भीड़ जमा हो गई। फूलपुर कस्बे के इस्माइल गंज मोहल्ला निवासी लल्लू केसरी का पुत्र नितिन केसरी 35 वर्ष अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए किसी बिस्किट कंपनी में सेल्स मैन के रूप में काम करता था वह दुकानों पर बिस्किट की आपूर्ति करता था। बुधवार को शाम लगभग 5 बजे मोटर साइकिल से अपने घर वापस लौट रहा था पूर्वी रेलवे फाटक को क्रास कर रहा था कि इसी बीच कोई नान स्टॉप सुपर फास्ट ट्रेन की चपेट में आने से उसके पचखड़े उड़ गए घटना की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया घटना स्थल पर परिजनों सहित लोगो की भारी भीड़ जमा हो गई। रेलवे विभाग सहित पुलिस को सूचना मिली तो पुलिस मौके पर पहुंच गई लेकिन प्रयागराज मंडल के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच सके जिसके चलते शव को समाचार लिखे जाने तक नहीं उठाया जा सका विभागीय अधिकारियों के आने के बाद शव को पी एम के लिए भेजा जाएगा।

रंगदारी का वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त नितिन मान सिंह पुत्र सचेन्द्र मान सिह नि0 कौण्डर थाना असोथर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तार करने वाली टीम

प्रभारी निरीक्षक श्री तारकेश्वर राय थाना कोतवाली, चौकी प्रभारी भारतसिंह . का0 ललित कुमार, 4 . का0 योगेश, 5 . का0 श्याम सुंदर ।

मंझनपुर: घर में लगी आग लाखों का सामान जलकर खाक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली के सामने सत्यम ऑटो पार्ट्स की दुकान के अंदर उनका निवास है उनके घर के ऊपरी मंजिल में बुधवार की दोपहर को अचानक आग लग गई ऑटो पार्ट्स की दुकान में गत्ता में सामान रखा था टायर टियूब रखे थे जिससे देखते देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान के सामानों में भी आग लग गई घर से धुआं उठते देख परिवार के लोग जान बचाकर घर से बाहर निकल आए मामले की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस भी पहुंच गई और मामले की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई आग बुझाने की गाड़ी के साथ फायर ब्रिगेड के कर्मी मौके पर पहुंचे और पानी की बौछार डालकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है देखते-देखते ऊपर की मंजिल के हिस्से में घर गृहस्थी का लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है आग बुझाने के चक्कर में दुकान मालिक रामबाबू केसरवानी मामूली रूप से झुलस गए हैं व्यापारी के घर मे आग लगने की जानकारी मिलने पर घटनास्थल पर सैकड़ो लोगों की भीड़ लगी हुई है बचाव एवं राहत दल ने घटना पर पूरी तरह से काबू पा लिया है।

प्रयागराज के वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभाशंकर को मिली सहारनपुर जिले की कमान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शुमार प्रभा शंकर पाण्डेय को संगठनात्मक चुनाव के लिए सहारनपुर जिला एवं सहारनपुर महानगर की कमान सौंपी गई है। प्रयागराज जिले की गंगापार और यमुनापार की विधानसभाओं में मात्र नवाबगंज सीट विधायक बनने का श्रेय हासिल करने वाले श्री पाण्डेय कौशांबी - इलाहाबाद अविभाजित जिला इलाहाबाद से पहली बार चुनाव जीतकर जिलाध्यक्ष बनने वाले श्री पाण्डेय काशी क्षेत्र के महामंत्री के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र के प्रभारी भी रह चुके हैं। मौजूदा समय में श्री पाण्डेय राष्ट्रीय परिषद सदस्य, प्रदेश कार्य समिति के सदस्य भी हैं। प्रयागराज और कौशांबी जिले से एकमात्र प्रभाशंकर पाण्डेय प्रदेश संगठन टीम के हिस्सा बने हैं। इनकी नियुक्ति पर भाजपाइयों में खुशी की लहर है।

मिशन शक्ति दीदी ने शीतला मंदिर के पर किया महिलाओं को जागरूक

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक/आरक्षियों द्वारा चौराहों/बस स्टैण्ड/टैक्सी स्टैण्ड/जिला अस्पताल/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस क्रम में महिला थाना,थाना मोहब्बतपुर पइन्सा,थाना कौशांबी,थाना कडाधाम,थाना करारी,थाना मंझनपुर ,थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए/चौपाल लगाकर / कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/महिलाओं* को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया ।

महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे (1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना* आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

चोरी व लूट की 3 मोटर साइकिल बरामद, 5 अभियुक्त गिरफ्तार

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बुधवार को थाना उतरांव व एसओजी गंगापार की टीम ने चेकिंग के दौरान पांच लुटेरे को गिरफ्तार कर चोरी लूट की तीन मोटरसाइकिल बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

थाना उतरांव व एस0ओ0जी0/सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा बुधवार को 5 अभियुक्त अदनान अहमद पुत्र इकबाल अहमद . मो0 साहिल पुत्र मो0 याकूब . मो0 शोएब पुत्र गुलाम मुस्तफा उर्फ चन्दा निवासीगण मलावा बुजुर्ग थाना झूंसी कमिश्नरेट प्रयागराज . मो0 सैफ पुत्र आजाद पहलवान निवासी ग्राम मलावा खुर्द थाना झूंसी कमिश्नरेट प्रयागराज . मन्नू उर्फ मो0 रहमान पुत्र मो0 गुलजार निवासी बमरौली थाना एयरपोर्ट कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना उतरांव क्षेत्रान्तर्गत स्थित उतरांव हॉईवे पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

उपरोक्त अभियुक्तों के कब्जे से थाना उतरांव पर अपाचे मोटरसाइकिल वाहन व चोरी की अन्य 02 मोटर साइकिल 01 हीरो होण्डा पैशन मोटरसाइकिल तथा 1 सुपर स्प्लेण्डर मोटरसाइकिल बरामद किया गया।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी, थाना उतरांव. व0उ0नि0 अजय कुमार सिंह, उ0नि0 सुखचैन तिवारी, प्रभारी एस0ओ0जी0/सर्विलांस सेल गंगानगर .उ0नि0 शशांक कुमार सिंह, थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।

शंकरगढ़ पुलिस द्वारा 2 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद यादव के निर्देश पर शंकरगढ़ पुलिस वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर दो वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक शंकरगढ़ ओमप्रकाश ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में चेकिंग किया जा रहा था इसी बीच मुखबिर की सूचना पर दो वारंटी अभियुक्त रिक्की पुत्र बब्बू तथा वारंटी अभियुक्त नीलू पुत्र बब्बू निवासीगण वार्ड नं0-02 शिक्षक नगर धरकरान टोला थाना शंकरगढ़ जनपद प्रयागराज को ग्राम शिक्षक नगर धरकरान टोला थाना क्षेत्र शंकरगढ़ से गिरफ्तार किया गया।

डीएम एवं उनकी पत्नी द्वारा प्राथमिक विद्यालय, बंबुरा में विटामिन-ए सम्पूरण कार्यक्रम चरण का फीता काटकर किया उद्घाटन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी ।जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं उनकी पत्नी श्रीमती दीपिका द्वारा आज प्राथमिक विद्यालय, बंबुरा में विटामिन-ए सम्पूरण कार्यक्रम चरण दिसम्बर, 2024 का फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाया। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि 9 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को विटामिन-ए की विशेष खुराक जरूर पिलायें। उन्हांने कहा कि विटामिन-ए की खुराक से बच्चों को एनीमिया, पैरामीटर एवं हीमोग्लोबिन जैसी बीमीरिया नहीं हांगी, जिससे बच्चों का मांसिक विकास होगा एवं बच्चे पढेंगे और आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० संजय कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ0 सुनील सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर: विधायक

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। विकासखंड कौड़िहार के आदमपुर दुखियापुर गांव में पूर्व से चल रहे कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के उच्चीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत एकेडमिक ब्लॉक एवं छात्रावास निर्माण हेतु भूमि पूजन का कार्यक्रम विधायक गुरु प्रसाद मौर्य के द्वारा किया गया। विधायक ने कहा कि सरकार बालिकाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है गरीब बच्चियों को मुफ्त शिक्षा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार लागतार कार्य कर रही है कक्षा 6 के बाद भी अब बच्चियों को पढ़ाई की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर कार्यसमिति सदस्य व भाजपा नेता उमेश तिवारी, गुड्डू राजा, राजू पटेल, जंगी लाल मौर्य,बीईओ क्षमा शंकर पांडेय, संतोष तिवारी, दिगंबर नाथ मिश्र जन शिक्षण संस्थान निदेशक, गणेश प्रसाद असिस्टेंट प्रोजेक्ट मैनेजर यूपीसीएल, दुर्गेश कुमार त्रिपाठी, वार्डेन श्रद्धा तिवारी, अखिलेश कुमार विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

सोनभद्र में गैगरेप के पांच आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र

रायपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक 19वर्षीय युवती के साथ गैंग रेप करने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एएसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि रायपुर थाना क्षेत्र के एक गाँव की निवासी एक महिला ने विगत 30 नवम्बर को रायपुर थाना की पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र के माध्यम से सूचित किया कि उसकी 19 वर्षीया पुत्री बीते 28/29 नवम्बर की रात्रि एक बजे से घर से लापता है ' वादी मुकदमा की सूचना पर थाना रायपुर में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज की गई तथा युवती को मंगलवार को बरामद कर लिया गया। बरामदगी के बाद पीड़ित युवती ने बताया कि रात्रि में उसको घर से ले जाकर नीरज यादव पुत्र राधेश्याम उम्र 19 वर्ष , उमेश यादव पुत्र रामजगा 20 वर्ष , श्याम सुंदर यादव पुत्र रामगहन यादव 20 वर्ष सभी निवासी ग्राम डोरिया डोंगी , थाना रायपुर , सोनभद्र के साथ ही विमलेश पासवान पुत्र छोटेलाल पासवान ग्राम सरायगढ़ , थाना रायपुर एवं बिंदू गुप्ता पुत्र लक्ष्मी गुप्ता ग्राम जसौलिया थाना रायपुर , सोनभद्र ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मंगलवार को धारा 351(2),333 एवं 70(1)बी एन एस के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज करते हुए बुधवार को सभी पाँच आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया।

कोतवाल सैनी ने क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान, कई वाहनों का हुआ चालान, हटवाया अतिक्रमण

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी।

पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव निर्देश प्रभारी निरीक्षक सैनी बृजेश करवरिया बुधवार शाम अपने हमराहियों के साथ थाना क्षेत्र के कल्याणपुर, सिराथू, समेत कई चौराहों पर सड़कों पर अतिक्रमण करने वाले को हिदायत दिया और हटाया गया तथा संदिग्ध वाहनों व तीन सवारी, बिना हेलमेट चलने वाले के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान किया गया।

डीएम ने 13 आशा कार्यकतियों द्वारा कार्यों में लापरवाही मिलने पर निष्कासित करने के निर्देश

डीएम ने की जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। डीएम मधुसूदन हुल्गी द्वारामुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने एएनसी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को गर्भवती महिलाओं की एएनसी चेकअप पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दियें। उन्होंने नियमित टीकाकरण की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि आशा एवं एएनएम के साथ नियमित रूप से बैठक कर टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा की जाय तथा आशा एवं एएनएम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाय कि वे अपने बच्चों का टीका अवश्य लगवायें। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि टीम के साथ गॉव-गॉव भ्रमण कर टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण अवश्य करवायें। इसके साथ ही उस गॉव की ऑगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा से जरूर मिलें।

जिलाधिकारी ने एडिशनल सीएमओ हिन्द प्रकाश मणि द्वारा कार्यों में लापरवाही बरतते हुए पाये जाने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए शो-काज नोटिस जारी करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही 13 आशा कार्यकत्रियों-विकास खण्ड नेवादा-आशा देवी, पूजा देवी, रूबीना बेगम, ऊषा श्रीवास्तव, अन्तिमा देवी, लिच्छिया देवी एवं विकास खण्ड कौशाम्बी-पूनम देवी, सुनीता देवी, रीता देवी एवं अनारकली तथा विकास खण्ड सिराथू-कमलेश कुमारी एवं सरोज देवी द्वारा कार्यों में लापरवाही बरतते हुए पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कठोर नाराजगी व्यक्त करते निस्कासित करने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी एडिशनल सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा है कि रात्रि 09 बजे अपना-अपना लाइव लोकेशन मुख्य चिकित्साधिकारी को भेजेंगे एवं अपने तैनाती स्थल पर रात्रि निवास अवश्य करें। उन्होंने तहसील स्तर पर किसी एक विकास खण्ड में कैम्प का आयोजन कर पात्र लाभार्थियों का गोल्डेन कार्ड बनवाये जाने के निर्देश दियें।

जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ0 भगवान का रूप होता है, किसी भी हॉल में मातृ मृत्यु न होने पाये, इसका अथक प्रयास ईमानदारी के साथ करना चाहिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि प्रसूता को निर्धारित समयावधि 48 घण्टें तक अस्पताल में रोका जाय तथा लाभार्थियों को दी जाने वाली भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकत्रियों द्वारा गर्भवती महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रसव सरकारी अस्पताल में कराये जाने के लिए जागरूक किया जाय।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम, पुनरीक्षित क्षय रोग नियन्त्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ रोग कार्यक्रम आदि की भी विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दियें। इस अवसर पर सीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय कुमार एवं सीएमएस सुनील कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी सुखराज बन्धु सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सरायममरेज पुलिस द्वारा 3 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। एसीपी हंडिया के निर्देश पर थाना सरायममरेज पुलिस गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित चल रहे तीन लोगों को बुधवार गिरफ्तार कर जेल भज दिया। थानाध्यक्ष सरायममरेज योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर 3 वांछित अभियुक्त राजाराम गौतम पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम महबूबपुर कुकरौठी थाना कोतवाली जनपद भदोही . दानिश अंसारी पुत्र शेर अली निवासी अहमदपुर फुलवरिया थाना कोतवाली जनपद भदोही . शुभम उर्फ गोलू गौतम पुत्र सेवालाल निवासी ग्राम महबूबपुर कुकरौठी थाना कोतवाली जनपद भदोही को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत चौकी जंघई के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

उल्लेखनीय है कि दिनांक-30.11.2024 को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भूलेन्द्र में आयी बारात में ग्राम भूलेन्द्र निवासी पप्पु गौतम पुत्र स्व0 श्रीनाथ गौतम के साथ कुछ अज्ञात लोगों द्वारा कहासुनी व धक्कामुक्की से पप्पु गौतम उपरोक्त की जमीन पर गिर जाने के कारण मृत्यु हो गयी थी।

बिना नंबर प्लेट के चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ की कार्रवाई

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। बुधवार को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी यातायात के कुशल पर्यवेक्षण में सड़क दुर्घटना को कम किए जाने के लिए दिनांक 01.12.2024 से 15.12.2024 तक तीव्रगति से चलने वाले वाहन तथा उल्टा दिशा में चलने वाले वाहनों पर कार्यवाही हेतु चलाए जा रहे हैं विशेष अभियान के क्रम में यातायात प्रभारी लाल जी सविता एवं यातायात पुलिस द्वारा उपरोक्त वाहनों पर कार्यवाही करते हुए तथा ट्रैक्टर ट्राली आदि माल वाहक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया इसके साथ-साथ दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, सवारी ई रिक्शा पर माल को ढोने वाले ई-रिक्शा, बिना नम्बर प्लेट लगे वाहन, दो पहिया वाहन में तीन सवारी, चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग न कर वाहन चलाने वाले वाहनों तथा टेंपो टैक्सी के द्वारा स्कूली छात्र छात्रों का परिवहन करने वाले अवैध वाहनों की सघनता से चेकिंग कर कार्रवाई की गई तथा आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर प्रचार प्रसार सामग्री वितरित की गई ।

जन शिकायत में वृद्ध फरियादी को पीआरबी ने घर तक पहुंचाया

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर के कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दो शिकायतकर्ता अपनी शिकायत लेकर आये थे, जो काफी वृद्ध व चलने फिरने में असमर्थ थे। पुलिस अधीक्षक द्वारा उनके शिकायत का संज्ञान लेते हुए

तत्काल समस्या के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। उनकी अवस्था व असमर्थता को देखते हुये डायल-112 पीआरवी वाहन को बुलाकर पुलिस कर्मचारीगणों के साथ वाहन में बैठाकर वृद्ध व्यक्तियों को सकुशल उनके गतंव्य स्थान तक पहुँचवाया गया। उक्त दोनों वृद्धजनों द्वारा पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

प्रयागराज प्रथम आगमन पर विश्व हिन्दू महासंघ मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष करिश्मा हाड़ा का भव्य स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विश्व हिन्दू महासंघ मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष बाईसा करिश्मा हाड़ा का प्रयागराज प्रथम आगमन पर विश्व हिन्दू महासंघ उत्तर प्रदेश गौरक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार प्रजापति के नेतृत्व में विश्व हिंदू महासंघ के मंडल प्रभारी श्री अनुज सिंह और

गौरक्षा प्रकोष्ठ के प्रयाग संभाग प्रभारी गौरक्षा आशुतोष त्रिपाठी ने दिव्य और भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ गौरक्षा प्रकोष्ठ के भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।विश्व हिन्दू महासंघ मातृशक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रेस वार्ता में कहा कि संगम तट पर विश्व हिन्दू महासंघ का प्रांतीय अधिवेशन दिव्य और भव्य होगा।जो पूज्य महाराज जी के हिंदुत्व व विकास के मिशन को आगे ले जाने का कार्य करेगा।उन्होंने भारी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया।

51 ग्राम अवैध स्मैक बरामद, एक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर रामसनेही घाट पुलिस क्षेत्र में स्मैक बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर स्मैक बरामद कर जेल भेज दिया।

थाना रामसनेहीघाट पुलिस टीम द्वारा देर रात को अभियुक्त राधेश्याम पुत्र रूदल लोनिया निवासी ग्राम पिण्डारी पूर्वी थाना महुली जनपद सन्तकबीर नगर हालपता काशीराम कालोनी आवास विकास थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को चुराई पुरवा नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 51 ग्राम अवैध स्मैक बरामद किया गया।

बच्चों को आगे बढ़ने के लिए करें प्रेरित : जेडी आर एन विश्वकर्मा

शिक्षा, शिक्षणेत्तर कार्य में विद्यालय आगे : पंकज जायसवाल

आर्य कन्या इण्टर कालेज के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का समापन आज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महर्षि दयानंद के आदर्शों से अनुप्राणित, आर्य शिक्षण संस्थानों में अग्रणी ,आर्य कन्या इंटर कॉलेज , प्रयागराज का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के प्रथम दिन क्रीड़ा समारोह संरक्षक प्रबंधक पंकज जायसवाल की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ आज मनाया गया। मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक, प्रयागराज मंडल (जेडी) आर एन विश्वकर्मा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती विनीता जायसवाल , प्रबंधक पंकज जायसवाल, प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना जायसवाल एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं बैज अलंकरण से किया गया। विद्यालय के प्रबंधक पंकज जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत किया । उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव एक ऐसा अवसर है जिसमें विद्यालय में पूरे वर्ष हुए कार्य की आख्या प्रस्तुत की जाती है और हमारे विद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ-साथ बच्चे शिक्षणेत्तर कार्य में भी आर्य कन्या का परचम लहराते हैं। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। राष्ट्र को संदेश देता मार्च पास्ट, अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए पीटी , स्पर्धा की भावना की वृद्धि में सहायक विभिन्न खेल (100 मीटर दौड़ ,रिले रेस , कबड्डी , खो-खो) , बच्चों द्वारा पिरामिड निर्माण आदि ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि जेडी आरएन विश्वकर्मा ने सभी कार्यक्रमों की सराहना करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया । उन्होंने कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य है और इन कार्यक्रमों के द्वारा उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। मुख्य अतिथि ने प्रबंधक पंकज जायसवाल की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार आर्यकन्या दिन - प्रतिदिन प्रगति कर रहा है,वह प्रबंधक पंकज जायसवाल के कुशल नेतृत्व में ही संभव है। विशिष्ट अतिथि श्रीमती विनीता जायसवाल ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वार्षिकोत्सव एक ऐसा अवसर है जहां पर विशेष रुचि तथा कलात्मक प्रतिभा रखने वाले छात्र-छात्राओं को अपनी कलाएं , रुचियां एवं अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है । शिक्षिकाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षिकाओं के अथक प्रयास के द्वारा ही आज बच्चे इतना अच्छा कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं। विभिन्न खेलों में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार वितरण कर उनका मनोबल बढ़ाया और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रबंधक पंकज जायसवाल ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया । उन्होंने कहा कि वह हमारे विद्यालय को सदैव अपनी स्मृति में रखेंगे और जब भी हमें उनकी आवश्यकता होगी वह हमारे विद्यालय में इसी प्रकार आते रहेंगे । शिक्षिकाओं के बीच हुए रोमांचकारी क्रिकेट मैच ने सभी का मन मोह लिया। क्रीड़ा समारोह का संचालन श्रीमती ऋतु अरोरा एवं वंदिता स्थान ने किया। इस अवसर पर पुरा छात्राएं श्रीमती आशा जयसवाल ,डॉ रंजना त्रिपाठी ,मुक्ति शर्मा ,मोहिनी श्रीवास्तव ,दीपशिखा गुप्ता ,रूपाली शर्मा, शिवानी शर्मा, अर्चना श्रीवास्तव आरती जयसवाल आदि समस्त पुरा छात्राओं ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया एवं एक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी तथा अपने विद्यालय की स्मृतियां भी साझा की। प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना जायसवाल ने आए हुए समस्त अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रथम दिन के कार्यक्रम के समापन की घोषणा की । इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या श्रीमती आशा श्रीवास्तव ,नीना प्रजापति , अनुपमा श्रीवास्तव ,सलोनी अग्रवाल , ऊषा कुशवाहा , रैहां इदरीस,नीलम श्रीवास्तव , रीना क्वात्रा ,सुधा शुक्ला कुसुम लता , रूपा गुप्ता, मोऊ बसु ,आकांक्षा सिंह, मीनाक्षी रत्ना आदि समस्त शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रही।

महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को आत्मरक्षा के लिए किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के निकट पर्यवेक्षण में आयोजित ्मिशन शक्ति् पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में बुधवार को प्रभारी निरीक्षक थाना राधानगर व प्रभारी निरीक्षक महिला थाना मय एण्टी रोमियो टीम द्वारा थाना राधानगर क्षेत्रांतर्गत फत्र् उल्क्छअ्ठ अउअऱ्ट स्कूल में कार्यशाला का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को शासन द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं व महिला सुरक्षा हेतु जारी विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी देकर जागरूक किया गया ।

समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं/छात्र-छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076्मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा,1930- साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया । इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्को एवं भीड-भाड वाले स्थानो के आस-पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया।

धोखाधड़ी करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से लैपटॉप मोबाइल स्कूटी पासबुक अन्य कागजात बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। मंगलवार को वादी आतिफ पुत्र ताज मोहम्मद निवासी बड़नपुर थाना दरियाबाद जनपद बाराबंकी ने थाना दरियाबाद पर तहरीर दिया कि गुलचप्पा कला थाना दरियाबाद के रहने वाले राजेश कुमार व उसका भाई विनोद कुमार व संतोष पुत्रगण भवानीदीन गुप्ता द्वारा वर्ष 2022 से द लोनी अर्बन मल्टीस्टेट क्रेडिट एंड थिफ्ट कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (एलयूसीसी) में पैसा जमा कराने को लेकर उनके व 03-04 सौ अन्य लोगों को ज्यादा पैसा मिलने का प्रलोभन देकर एलयूसीसी कम्पनी में करोड़ों रुपए जमा कराये तथा अपने अन्य एलयूसीसी कम्पनी के अधिकारियों के साथ मिलकर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज दिखाकर धोखाधड़ी किए है।

पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा उक्त घटना का तत्काल संज्ञान लेकर सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी रामसनेही घाट जटाशंकर सिंह के पर्यवेक्षण में बुधवार को अभियुक्त राजेश कुमार पुत्र भवानीदीन गुप्ता, विनोद कुमार पुत्र भवानीदीन गुप्ता, संतोष कुमार पुत्र भवानीदीन निवासीगण ग्राम गुलचप्पा कला थाना दरियाबाद जनपद बाराबंकी को किन्हौला नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से तीन अदद लैपटाप, एक अदद मोबाइल फोन, एक अदद स्कूटी, पासबुक व कंपनी के कागजात, एक अदद प्रिन्टर ,एक अदद मानिटर, एक अदद डीवीआर, 09 अदद कुर्सियां, इनवर्टर मय बैटरा, छवउउ कंपनी का फ्लैशबोर्ड, एक अदद टेबल, कंपनी के अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किया गया।

थाना बदोसराय पुलिस द्वारा पूर्व में एलयूसीसी कम्पनी से सम्बन्धित 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

डीपी एक्ट में दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना सुल्तानपुर घोष पुलिस द्वारा डीपी एक्ट में वांछित चल रहे दो नफर अभियुक्तगण जयलाल पुत्र रामस्वरूप, बुधनी पत्नी जयलाल नि०गण ग्राम अल्लीपुर कटरा थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

लंबित विवेचनाओं को जल्द करें निस्तारण- धवल जायसवाल

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल द्वारा बुधवार को पुलिस कार्यालय में अधिक समय से लंबित विवेचनाओं तथा पुरुस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बंध में विवेचकों का अर्दली रुम किया गया। सम्बंधित विवेचकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

फतेहपुर पुलिस ने 4 जुआरियों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर फतेहपुर पुलिस हार-जीत की बाजी लगा चार लोगों को गिरफ्तार कर नगदी बरामद करते हुए लिखा पढ़ी किया।

थाना फतेहपुर पुलिस टीम द्वारा देर रात को सार्वजनिक स्थान पर जुआं खेल रहे 4 अभियुक्तगण जावेद उर्फ बाबू पुत्र हाजी शहीद. हसनैन पुत्र स्व0 जामिन.दिलशाद पुत्र मुन्ना निवासीगण शेखपुर अलीपुर थाना फतेहपुर जनपद बाराबंकी, 4. नीरज कुमार वर्मा पुत्र सुरेशचन्द्र वर्मा निवासी करन्धा मजरे मोहारी थाना फतेहपुर जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से ताश के 52 पत्ते व मालफड़/जामातलाशी के कुल 1000/- रुपए बरामद किया।

चोरी की बैट्री व एक नाजायज चाकू बरामद, एक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी।

एसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर असंद्रा पुलिस चोरी के आरोपी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का सामना बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

थाना असन्द्रा पुलिस टीम द्वारा बुधवार को अभियुक्त मकबूल अहमद पुत्र नूर मोहम्मद निवासी सराय सालिम थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी को चोरी की

01 अदद बैट्री व 01 अदद नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया।

35 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

बाराबंकी। थाना असन्द्रा पुलिस व आबकारी पुलिस टीम द्वारा देर रात को अभियुक्त हेतराम पुत्र स्व0 रामकुमार निवासी ग्राम मझौटी थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 35 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई।

स्वामी अनंताचार्य बने जगद्गुरु रामानुजाचार्य

जगद्गुरु स्वामी शांडिल्य महराज के नेतृत्व में हुआ पट्टाभिषेक

सनातन धर्म को मिलेगी मजबूती : स्वामी शांडिल्य जी महराज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। श्रृंगवेरपुर पीठ से रामानुजाचार्य संप्रदाय से कथावाचक दमोह के अनंताचार्य को जगद्गुरु रामानुजाचार्य का पद विधि-विधान से पट्टाभिषेक कार्यक्रम में आज दिया गया श्रृंगवेरपुर पीठाधीश्वर रामानुजाचार्य स्वामीनारायणचार्य शांडिल्य जी महाराज ने यह पद प्रदान किया। जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य जी महराज के नेतृत्व में अंग वस्त्र प्रदान कर जगद्गुरु रामानुजाचार्य का पद प्रदान किया गया। पट्टाभिषेक कार्यक्रम में जगदगुरु श्री अनंताचार्य जी महाराज परमहंसाचार्य ब्रह्मानंद सरस्वती, दंडी संन्यासी परमहंसाचार्य, निंबाकार्चार्य वाराणसी स्वामी राम आश्रम, आचार्य चंद्र देव जी सच्चा बाबा आश्रम बैकुंठ धाम आश्रम, लाल बाबा महंत अधिकारी जी हनुमान दास जी महाराज गऊघाट, ज्ञान दास जी महाराज, अश्वेत जी महाराज आदि अनेक बटुकों सहित अन्य संत और बड़ी संख्या में आचार्यगण मौजूद थे। जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य जी महराज श्रृंगवेरपुर धाम ने बताया कि जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य प्रसिद्ध कथावाचक है इनके जगद्गुरु बनने से सनातन धर्म को मजबूती मिलेगी और प्रचार प्रसार होगा।

जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महराज ने कहा कि सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करना और भावी पीढ़ी को जागरूक करते हुए सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करना है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के दमोह के जगदगुरू रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महराज अभी तक दो हजार से अधिक श्रीमद्भागवद् और श्रीराम कथा कर चुके हैं। जो संतों में लोकप्रिय है।

फूलपुर थाने पर किसानों ने समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। भाकियू टिकैत एवं संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले स्थानीय किसानों ने समस्याओं को लेकर भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे किसानों को पुलिस द्वारा जेल भेज देने जैसे तानाशाही रवैया के विरोध में गौतम बुद्ध नगर के किसानों के सहयोग में थाना फूलपुर पर बुधवार को किसानों ने धरना प्रदर्शन के साथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन थाना प्रभारी फूलपुर प्रवीण कुमार गौतम को सौपा। उपस्थित किसान नेताओं ने कहा कि पुलिसिया लाठी के बल पर किसाने की आवाज नहीं दबाई जा सकती, प्रदेश भर की किसान यूनियन इसका जाम कर विरोध करती है। मांग पत्र में गौतम बुद्ध नगर के किसानों को न्याय देने तथा गिरफ्तार किसानों को तत्काल रिहा करने की मांग की गई, ताकि प्रदेश में अमन चैन बना रहे। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से हरि गोविंद, अनवर अली फारूकी, वींरेंद्र कुमार द्विवेदी पत्रकार, अर्चना मिश्रा नकुल कुमार तथा विधि सलाहकार अशोक मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

संपादक की कलम से

लहरों के पहरेदार, पराक्रम अपार

प्रतिवर्ष 04 दिसंबर को भारतीय नौसेना के वीरों को याद करते हुए भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 03 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान की सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तान की नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर ऑपरेशन ट्राइडेंट चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तान की नौसेना की कमर टूट गई। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 04 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है ह्यनवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्तिह्ल।नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरूआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रूप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है ह्यशं नो वरुणःह्ल अर्थात जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी रहें।भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए ह्यईस्ट इंडिया कम्पनी मरीनह्ल के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम ह्यईस्ट इंडिया मरीनह्ल से बदलकर ह्यबॉम्बे मरीनह्ल कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम ह्यरॉयल इंडियन नेवीह्ल रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिंद महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टेक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को साइलेंट किलर कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तान की नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक

-ललित गर्ग-

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे? इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते

हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निमार्ता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है।

भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे. होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है।

समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी।

इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे ह्यअन्यायह्ल कितना भी बड़ा हो, अदालत ह्यन्यायह्ल से अधिक ह्यशांति-सद्भावनाह्ल को वरीयता देगी। देरसबेर न्याय होता हुआ देखा भी गया है, अयोध्या में बना श्रीराम मन्दिर इस का उदाहरण है।

आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की ऊंच रोशनी की मीनारें है। कांग्रेस ने इनके दमन का ही सिलसिला जारी रखा। इस तरह इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है, त्रासद है, विडम्बनापूर्ण है। कठोर वास्तविकताएं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भारत का यथार्थ है तो अप्रिय प्रवृत्तियां, विभाजनकारी सोच एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस भी बड़ा यथार्थ है। मुगल शासक हो या अंग्रेजी शासक या आजादी के बाद की सरकारें - राजनीतिक उद्देश्यों एवं वोट की राजनीति के चलते मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनाया। यही कारण है कि भारत पर अन्याय-अत्याचार करने एवं आक्रांता बन देश को लुटने वालों को हमने हीरो बनाया और उनके नाम पर प्रमुख मार्गों का नामकरण किया, पाठ्य-पुस्तकों में उनको महिमामंडित किया। लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी

लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र विस चुनाव के बीच क्या बदला

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

2024 का आम चुनाव ऐसी सरकार के लिए चेतावनी है जिसने शानदार प्रदर्शन किया और लंबे समय से चली आ रही जटिल चुनौतियों का समाधान भी किया। इस चुनाव से पहले दो महत्वपूर्ण घटनाएं घटीः पहली मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में भारी जीत और दूसरी 500 वर्षों में सबसे बड़ी घटना, 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राममंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा। ऐसा लग रहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए पूरे देश में गति पकड़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कद तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए, "अब की बार चार सौ पार" का नारा चुनाव की मुख्य दिशा बन गया। हालांकि, ऐसा लग रहा था कि एनडीए के नेता और उनकी जमीनी टीम और समर्थक यह मानकर निश्चिंत थे कि "मोदी है तो मुमकिन है।"

400 या उससे अधिक सीटों के साथ एक सुनिश्चित जीत के बारे में इस आत्मसंतुष्टि ने उन्हें वैश्विक डीप स्टेट ताकतों से बेखबर कर दिया, जो इंडी गठबंधन, शहरी नक्सलियों, कम्युनिस्टों और मार्क्सवादियों के समर्थन से एक टीम बना रहे थे ताकि देशभर में लोगों का ब्रेनवॉश करने के लिए फर्जी कहानियां गढ़ी जा सकें। इस तरह की सावधानीपूर्वक योजना, साथ ही झूठी कहानियां गढ़ने और उन्हें प्रत्येक घर में वितरित करने के लिए बड़ी मात्रा में धन के उपयोग ने मोदी सरकार में लोगों के विश्वास को हिला दिया। 400 सीटें मिलने पर संविधान को खत्म करना, आरक्षण को हटाना, बेरोजगारी बढ़ना, मोदी सरकार द्वारा भारी कर्ज के कारण देश को बेचना और इस तरह की कई अन्य फर्जी कहानियां लोगों का ब्रेनवॉश करने में काफी प्रभावी रहीं। इसका काफी असर हुआ है, जिसमें भाजपा को सिर्फ 240 सीटें मिलीं।

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए लेकिन उन्होंने पार्टियों के समर्थन और शुरूआत में कम आत्मविश्वास के साथ ऐसा किया। हालाँकि, गांधी परिवार, इंडी गठबंधन, धार्मिक चरमपंथियों, धर्मांतरण माफियाओं, शहरी नक्सलियों, वोक और वैश्विक बाजार की ताकतों की ढहती मानसिकता ने अचानक उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ा दिया। उन्होंने मोदी के लिए कम सीटों की व्याख्या इस संकेत के रूप में की कि हिंदुओं ने खुद को पीएम मोदी से दूर कर लिया है और हिंदुत्व की हार हुई है। उनका मानना था कि जाति के आधार पर हिंदुओं को अलग करना और झूठी कहानियों का इस्तेमाल करकर भ्रमित करना आसान था। हिंदुत्व अब हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। आत्मविश्वास में वृद्धि इतनी अधिक थी कि कई मुस्लिम प्रचारकों और चरमपंथियों ने हिंदुओं, हिंदू देवताओं और संस्कृति पर हमला करना शुरू कर दिया, अपनी ताकत का प्रदर्शन करने और पाकिस्तान और फिलिस्तीन के झंडे फहराने के लिए विभिन्न स्थानों और समय पर बड़ी सभाएँ आयोजित कीं। राहुल गांधी और कुछ अन्य इंडी गठबंधन के नेताओं ने हिंदुत्व पर प्रहार करना शुरू कर दिया, इस्लामी और ईसाई अनुष्ठानों और देवताओं की प्रशंसा करते हुए हिंदू संस्कृति और देवताओं को गाली दी। राहुल गांधी ने हिंदू एकता को कमजोर करने के लिए संविधान और आरक्षण के बारे में गलत जानकारी फैलाना शुरू कर दिया। वक्फ बोर्ड की मांगें प्रमुखता से उभरने लगी और जवाहरलाल नेहरू के वक्फ अधिनियम के तहत हिंदुओं की भूमि और संपत्ति की मांग करने लगे, जिसे बाद में सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकारों ने मजबूत किया था। राहुल गांधी और उनके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने मोदी सरकार के वक्फ सुधार विधेयक का आक्रामक रूप से विरोध किया, जिसे हिंदुओं की रक्षा के लिए पेश किया गया था।

हिंदू जागरण की शुरूआत

जिस तरह आम चुनाव के दौरान और उसके बाद हिंदुओं और हिंदुत्व को निशाना बनाया गया, उससे हिंदुओं को साफ पता चल गया कि यह देश भविष्य में शरिया कानून और गहरी वैश्विक शक्तियों की इच्छाओं के अनुसार आगे बढ़ेगा। हिंदू (बौद्ध, जैन, सिख) आध्यात्मिक और धार्मिक गुरु, आरएसएस, वीएचपी और अन्य संगठनों ने हिंदू समुदाय के विभाजन के खतरों और राजनीतिक हिंदुत्व पर इसके प्रभाव को पहचान लिया। इसलिए वे सभी एक साथ आ गए। हिंदुत्ववादी ताकतों ने जमीनी परिदृश्य को बदल दिया। आरएसएस, वीएचपी और अन्य हिंदुत्व संगठनों की मदद से एकजुट धार्मिक और आध्यात्मिक गुरुओं ने वक्फ बोर्ड अधिनियम, लव जिहाद, शरिया कानून, वोट जिहाद के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हिंदुओं की बड़ी सभाओं को संबोधित करके फर्जी आख्यानों पर काम करना शुरू कर दिया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों पर उठते सवाल

-प्रियंका सौरभ

भारतीय संस्थानों से निकले एसटीईएम स्नातकों की एक बड़ी संख्या ऐसी है जिनमें आवश्यक कौशल का अभाव है। यह उद्योग और अनुसंधान प्रगति में बाधा डालता है। संस्थागत रैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने से कई शिक्षण-केंद्रित संस्थानों ने अक्सर निम्न-गुणवत्ता वाले आउटलेट में प्रकाशन पत्र और पेटेंट को प्राथमिकता दी है, कई संस्थानों में संकाय पर अत्यधिक बोझ है, पेशेवर विकास के लिए बहुत कम समय या प्रोत्साहन है। संकाय भर्ती अक्सर स्थानीयकृत होती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन और दृष्टिकोण की विविधता सीमित हो जाती है। क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी पहलों के लिए कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होती है लेकिन सीमित योग्य कर्मियों और अपर्याप्त प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे के कारण इन पहलों का उपयोग कम होने का खतरा है। वर्तमान संरचना संसाधनों, पाठ्यक्रम या संकाय के आदान-प्रदान की सुविधा नहीं देती है, जिससे शिक्षा और अनुसंधान के बीच विभाजन मजबूत होता है, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में योगदान के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारत अब एक ऐसे महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ देश में (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश केवल चलन नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

प्रौद्योगिकी छात्रों और शिक्षकों के बीच सहयोग को सुगम बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और उपकरण परियोजनाओं पर वास्तविक समय में सहयोग को सक्षम करते हैं, टीमवर्क और संचार कौशल को प्रोत्साहित करते हैं। ये सहयोगात्मक अनुभव पेशेवर दुनिया में वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की सहयोगात्मक प्रकृति को दर्शाते हैं। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कई लाभ लाता है, यह चुनौतियों को भी सामने लाता है जिन्हें व्यापक परिवर्तन के लिए सम्बोधित करने की आवश्यकता है। डिजिटल डिवाइड एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिसमें प्रौद्योगिकी और इंटरनेट तक पहुँच में असमानताएँ हैं। इस अंतर को पाटना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि सभी छात्रों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। शिक्षकों को भी अपने शिक्षण विधियों में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करता है कि वे प्रौद्योगिकी के उपयोग को समझने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

एक हैं, तो सुरक्षित हैं' के मर्म को समझा हिंदू समाज ने

डॉ. आर.के. सिन्हा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम पर सारे देश की निगाहें लगी हुई थीं। सारे देश को ही बेसब्री से इंतजार था कि क्या बीते लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद भाजपा का प्रदर्शन किस तरह का रहता है। दरअसल इसी साल में मात्र पांच माह पूर्व संपन्न लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र के कई प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में आश्चर्यजनक विफलता के बाद, भाजपा के सामने बड़ी चुनौती यही थी कि वह राज्य में खोई हुई जमीन को किस तरह वापस हासिल कर ले। महाराष्ट्र में मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण के कारण भाजपा को लोकसभा चुनाव में कम से कम सात निर्वाचन क्षेत्रों में काफी नुकसान उठाना पड़ा था, जिसमें धुले और मुंबई उत्तर-पूर्व क्षेत्र भी शामिल हैं। इन दोनों जगहों में भाजपा का पहले से ही बहुत मजबूत आधार था। इन नतीजों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने एक अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य न केवल इन खोई हुई जमीनों को वापस पाना था, बल्कि अपनी छवि को फिर से परिभाषित करना भी था। प्रधानमंत्री ने इस चुनाव में एक नया नारा पेश किया, "एक हैं तो सुरक्षित हैं"। यह नारा विशेष रूप से हिंदू मतदाताओं को आकर्षित कर एकजुट करने के लिए बनाया गया था, जिसमें जातीय विभाजन के खिलाफ पूरे हिंदू समाज की एकता पर जोर दिया गया था। बेशक, इस नारे ने महायुति गठबंधन को तगड़ा लाभ पहुंचाया। मोदी जी का नारा सिर्फ हिंदू मतदाताओं को एक करना भर ही नहीं था। इसे पूरे समाज ने राष्ट्रीय एकता के साथ जोड़कर भी देखा। महायुति गठबंधन में भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल हैं। इस आह्वान के परिणामस्वरूप हिन्दू वोटों का भाजपा और उसके सहयोगियों के पक्ष में मौन और अत्यंत ही प्रभावी एकीकरण हुआ। यह नारा विपक्ष द्वारा स्थापित कथानक का सीधा जवाब था। और, इसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक अन्य नारे ह्यबंटेंगे तो कटेंगेह्ल से और भी शक्ति मिल गई। इन नारों का उद्देश्य उन क्षेत्रों में हिंदू मतदाताओं को आश्वस्त करना था, जहां उन्हें लगता था कि अल्पसंख्यक वोटों के एकीकरण के कारण उनका राजनीतिक प्रभाव कम हो रहा है।मोदी और योगी के नारों से इसलिए भी हिंदू मतदाता जुड़े, क्योंकि कई मुस्लिम मौलवी लगातार यह अपील कर रहे थे कि मुस्लिम महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवारों को ही वोट दे। इस्लामी प्रचारक मौलवी सज्जाद नोमानी विधानसभा चुनाव से पहले लगातार यह फतवे दे रहे थे कि मुसलमानों को तो भाजपा के खिलाफ ही वोट देना है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सज्जाद नोमानी का एक वीडियो वायरल हुआ था। उसमें वह मुस्लिम समुदाय से कांग्रेस-सेना (उद्धव)-एनसीपी (शरद पवार) गठबंधन को

ही वोट देने की अपील करते हुए दिखाई दिए थे।सज्जाद नोमानी ने भाजपा का समर्थन करने वाले मुसलमानों के बहिष्कार का फतवा भी जारी किया था। नोमानी और उनके जैसे कुछ मजहबी और सियासी नेताओं की अपीलों और हरकतों के चलते ही उदारवादी हिंदू मतदाता भी लामबंद हुआ। पत्रकारिता छोड़कर सियासत में आए औरंगाबाद के पूर्व सांसद इम्तियाज जलील की पिछले महीने मुंबई में निकाली रैली ने भी हिंदुओं को सोचने के लिए मजबूर कर दिया था। वे सैकड़ों कारों और दूसरे वाहनों के साथ मुंबई में आ गए थे। जलील को विधानसभा चुनाव में औरंगाबाद पूर्व सीट पर भाजपा के अतुल सावे ने शिकस्त दी।दरअसल राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल और महाराष्ट्र और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य सज्जाद नोमानी सरकारी नौकरियों में मुसलमानों के लिए कोटा की जोरदार तरीके से मांग कर रहे थे। इस कारण भी मोदी और योगी के नारों ने हिंदू मतदाताओं को बहुत सोचने के लिए मजबूर किया। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे चुनाव अभियान आगे बढ़ा, भाजपा की रणनीति विभाजन के कथित खतरों के खिलाफ सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता की रक्षा करने की कहानी में विकसित हुई। प्रधानमंत्री मोदी सहित महायुति के नेताओं ने रैलियों और बैठकों की एक श्रृंखला में भाग लिया, जिसमें एक साथ खड़े होने के महत्व पर जोर दिया गया। कहानी स्पष्ट थी-भाजपा के तहत एकता हिंदू समुदाय और विस्तार से राष्ट्र के लिए सुरक्षा और प्रगति का मार्ग है। मोदी और योगी के नारों को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने वार्षिक दशहरा संबोधन में समर्थन दिया। उन्होंने हिंदू एकता का आह्वान किया और बांग्लादेश में समुदाय पर हमलों से सबक लेने का आग्रह किया। वरिष्ठ संघ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले ने भी हिंदू एकता के आह्वान को बढ़ाते हुए "बटेंगे तो कटेंगे" नारे का इस्तेमाल किया।आपको याद होगा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे ने हरियाणा चुनाव में भी अपना असर दिखाया था। मुंबई और ठाणे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो के साथ 'बंटेंगे तो कटेंगे' के संदेश वाले होर्डिंग्स देखे गए थे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या योगी और उनका नारा हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी सफल हो पाएगा? महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का गहराई से विश्लेषण करने से साफ है कि उपर्युक्त नारे से प्रभावित होकर हिंदू मतदाता एक साथ तो आए। उन्होंने अपने को जाति से ऊपर पहले हिन्दू समाज और सनातनी परंपरा को माना। योगी ने महाराष्ट्र में दो दर्जन से अधिक सभाओं को संबोधित किया। अब जबकि महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजे आ चुके है, तब कहना पड़ेगा कि कांग्रेस और गांधी परिवार ने 'सत्ता की लालसा में' पंथनिरपेक्षता (सभी संप्रदायों के साथ समान व्यवहार) की भावना को तोड़ दिया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र में भाजपा और उसके सहयोगियों को मिली जीत तथा कई राज्यों में उपचुनाव में मिली बड़ी जीत को "एकता" तथा 'एक हैं तो सुरक्षित हैं' नारे के पीछे की भावना बताया । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के शुरू होने से ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गढ़ा गया यह नारा जाति के आधार पर वोटों के बंटने के खिलाफ भाजपा के आह्वान को दशार्ता था। भाजपा के नेता हाल ही में हुए चुनाव में विपक्ष के लोकसभा चुनाव के समय किए मिथ्या प्रचार का जवाब देने में सफल रहे कि मोदी सरकार संविधान में आमूलचूल परिवर्तन चाहती है।

यह स्वीकार तो करना ही होगा कि भारत के उद्योग और वित्त संसार के गढ़ महाराष्ट्र के लोगों ने 'एक हैं तो सुरक्षित हैं' के पीछे की भावना को जोरदार तरीके से पुष्ट किया। इस नारे ने उन लोगों को हराया है जो समाज को जाति, धर्म, भाषा में बांटना चाहते थे और समाज को बांटने की कोशिश करने वालों को सजा दी है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

परख सर्वेक्षण में शामिल हुए बड़ी संख्या में छात्र

सर्वेक्षण कार्य नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के उल्लेखित उद्देश्यों के परिपेक्ष में कराया

डायट प्राचार्य, बीएसए ने किया कई विद्यालयों में निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से एनसीईआरटी नई दिल्ली के तत्वाधान में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण - 2024 का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर आज किया गया । इसके अंतर्गत कक्षा 3 और कक्षा 6 के विद्यार्थियों का भाषा, गणित ,वर्ल्ड अराउंड अस तथा विज्ञान और सामाजिक विषय कक्षा 9 के अधिगम स्तर का सर्वेक्षण किया गया । यह सर्वेक्षण कार्य नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के उल्लेखित उद्देश्यों के परिपेक्ष में कराया गया । यह सर्वेक्षण के अंतर्गत जनपद प्रयागराज के 135 यूनिक विद्यालयों में 158 कक्षाओं के लिए सर्वेक्षण कार्य संपन्न हुआ । सर्वेक्षण के सफल क्रियान्वयन के लिए प्राचार्य डायट राजेंद्र प्रताप प्रयागराज ,जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह और सीबीएसई बोर्ड की एक जिला स्तरीय समन्वयक नामित किया गया था। विद्यालयों में सर्वेक्षण कार्य को संपादित करने के लिए फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप में डीएलएड प्रशिक्षुओं की नियुक्ति प्राचार्य डायट के द्वारा की गई थी जबकि ऑब्जर्वर्स की नियुक्ति सीबीएसई बोर्ड के द्वारा की गई थी । कुल 158 फील्ड इन्वेस्टिगेटर और 135 ऑब्जर्वर्स सर्वेक्षण कार्य में लगाये गये थे। इस सर्वेक्षण में परिषदीय, राजकीय ,सहायता प्राप्त विद्यालय, समाज कल्याण द्वारा मान्यता प्राप्त, विद्यालय, सीबीएसई तथा आईसीएसई बोर्ड के विद्यालय शामिल थे । सर्वेक्षण कार्य के सकुशल संपादन के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया था । सर्वेक्षण का कार्य प्रातः 9:00 बजे के लगभग सभी विद्यालयों में प्रारंभ हुआ । कक्षा 3 तथा कक्षा 6 के लिए उपलब्धि परीक्षण का समय 90 मिनट का तथा कक्षा 9 के लिए 120 मिनट का था । छात्र प्रश्नावली शिक्षक प्रश्नावली तथा विद्यालय प्रश्नावली के माध्यम से भी छात्रों ,शिक्षकों तथा विद्यालय की पृष्ठभूमि से संबंधित आंकड़े एकत्र किए गए । इस सर्वेक्षण में कक्षा तीन के कुल 1275 कक्षा 6 के कुल 1250 तथा कक्षा 9 के कुल 1688 , इस प्रकार से कुल 4213 प्रतिभागी शामिल हुए । उप शिक्षा निदेशक /प्राचार्य डायट राजेंद्र प्रताप ने कई विद्यालयों का दौरा करके सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण किया जिसमें पाया गया कि यह सर्वेक्षण कार्य नकल विहीन , शुचिता पूर्ण ढंग से संपादित की गई ।

रामवनगमन मार्ग के निर्माण की धीमी गति पर नाराज डीएम ने दी चेतावनी दी

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। राम वनगमन मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण निर्माण से प्रभावित होने वाले शासकीय विभागों की कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं अधिशाषी अभियन्ता के साथ की समीक्षा बैठक की गई।जिलाधिकारी ने परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्रामों में उत्पन्न अवरोधों का निराकरण तीन दिन के अन्दर कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में गतिमान परियोजना-731 राम वनगमन मार्ग चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण निर्माण से प्रभावित होने वाले शासकीय विभागों के कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं अधिशाषी अभियन्ता रा0मा0खण्ड लो0नि0वि0 प्रयागराज के साथ समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने परियोजना में प्रभावित होने वाले ग्रामों में उत्पन्न अवरोधों के निराकरण कराये जाने पर जोर दिया। परियोजना के निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की। अधिशाषी अभियन्ता एवं कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि कार्य अपेक्षित तीव्रता से नहीं कराया गया या लापरवाही मिली तो शासन को लिखा जायेगा। जिलाधिकारी ने शासकीय संरचनाओं के प्रतिकर न प्राप्त करने के लिए सम्बन्धित विभागों के प्रतिनिधियों को एक सप्ताह का समय दिया। उपजिलाधिकारी मंझनपुर, चायल व सिराथू को सक्षम प्राधिकारी (भू0अ0) 731ए राम वनगमन मार्ग कौशाम्बी से समन्वय स्थापित कर अवशेष कास्तकारों को प्रतिकर भुगतान यथाशीघ्र कराये जाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रबुद्ध सिंह, सक्षम प्राधिकारी (भू0अ0), राम वनगमन मार्ग सुखलाल प्रसाद वर्मा, अधिशाषी अभियन्ता, रा0मा0खण्ड, लो0नि0वि0 प्रयागराज रविन्द्र पाल सिंह , अवर अभियन्ता रा0मा0खण्ड लो0नि0वि0 प्रयागराज विमल कुमार एवं सहायक अभियन्ता, लो0नि0वि0, प्रान्तीय खण्ड राकेश कुमार गोयल उपस्थित रहे।

गुमशुदा/अपहृत को सकुशल बरामद किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। थाना महेवाघाट पुलिस उ०नि० आत्मा प्रसाद व म०उ०नि० पूनम कबीर मय हमराह पुलिस बल द्वारा गुमशुदा अपहृत को हनुमान मन्दिर राजापुर से सकुशल बरामद कर विधिक कार्यवाही के पश्चात परिजनों को सुपुर्द किया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशांबी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो पहिया/चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 173 वाहनों का ई-चालान किया गया तथा 01 वाहन से 500 /- रुपये सम्मन शुल्क वसूला गया।

निरोधात्मक कार्यवाही मे 14 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना मंझनपुर से 06, थाना चरवा से 04, थाना कोखराज से 01, थाना सैनी से 01, थाना कड़ाधाम से 02) कुल 14 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान मा० न्यायालय किया गया।

बंदर के आतंक को लेकर भारतीय किसान यूनियन राजनैतिक ने सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने उपजिलाधिकारी कार्यालय सोरांव पहुंच कर बंदरों आतंक को लेकर एक ज्ञापन सहायक प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा ज्ञापन मंडक अध्यक्ष बबलू दुबे बताया कि कि नवाबगंज थाना क्षेत्र के सिंघापुर में बंदरों ने आतंक फैला रखा है सैकड़ो स्कूल जाने वाले बच्चे व गांव के लोगों को बंदरों ने बुरी तरह घायल किया है और किसानों की फसल का भी नुकसान पहुंचा रहे हैं उन्होंने कहा कि फॉरेस्ट विभाग से तत्काल कार्रवाई करे ।

मौके पर

गंगा पार अध्यक्ष भारत लाल पटेल, गंगा पार युवा अध्यक्ष विजय कुमार पटेल, मंडल सचिव राजेन्द्र कुमार,गंगा पार मुख्य सलाह कार डॉक्टर राम राज पटेल, सोरांव तहसील अध्यक्ष लालचंद एडवोकेट, आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रह।

प्रभावी पैरवी ने किया कमाल, कोर्ट ने दी सजा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। न्यायालय स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट इलाहाबाद द्वारा थाना हण्डिया में दर्ज मु0अ0सं0-241/2024 धारा-323/354(क)/504/506/376(एबी) भा0द0सं0 व 7/8 पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त विशाल चौरसिया पुत्र दीनानाथ निवासी मुरांव थाना हण्डिया जिला प्रयागराज को प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप धारा-354(क) भा0द0सं0 व 8 पॉक्सो एक्ट में तीन साल के कारावास व पांच सौ रुपए के अर्थदण्ड, धारा-323 भा0द0सं0 में छह माह के कारावास, धारा-504 भा0द0सं0 में 08 माह के कारावास तथा धारा-506 भा0द0सं0 में दो साल कारावास से दण्डित किया गया। पैरवी करने वाली टीम में ए0डी0जी0सी0 विनय कुमार तिवारी, प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम, हेड कांस्टेबल कल्पूराम, कोर्ट मोहर्रिर के अलावा हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, पैरोकार थाना हण्डिया शामिल रहे।

चोरी के अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नैनी पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी के आभूषण, प्रतिमा तथा 2230 रुपए बरामद किए गए हैं।

पकड़ा गया अभियुक्त विकास भारतीया पुत्र बिल्लू भारतीया, इन्दलपुर थाना नैनी जनपद प्रयागराज का रहने वाला है। इसे इन्दलपुर पार्किंग स्थल गेट के पास थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया। इसके पास से लक्ष्मी गणेश की प्रतिमा, सात जोडी बिछिया, दो लाकेट, एक जोड़ी पायल, एक प्लेट, एक मंगलसूत्र की लाकेट मिली है। पुलिस ने लिखापढ़ी करने के बाद इसे जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि फरार अभियुक्त बजरंगी पुत्र पूर्वी लाल उर्फ ननके निवासी इन्दलपुर थाना नैनी जनपद प्रयागराज की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में चौकी प्रभारी चंद्रिका प्रसाद यादव समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

शोधार्थी प्रस्तावित शोध अर्न्तवस्तु विवि में 20 तक कर सकेंगे मेल

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा-2021-22 के उत्तीर्ण शोधार्थियों को अपने प्रस्तावित शोध की अर्न्तवस्तु एवं सलग्नक शोध निर्देशकों की सूची में से तीन नाम 20 फरवरी तक विश्वविद्यालय को ई-मेल करना होगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा शोधार्थियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किया गया। विवि के कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा के उत्तीर्ण शोधार्थियों को प्रस्तावित शोध की अर्न्तवस्तु अथवा उद्देश्य के साथ शोध निर्देशक के लिए तीन शिक्षकों के नाम वरीयता क्रम में 20 फरवरी तक विश्वविद्यालय की ई-मेल पर उपलब्ध कराना होगा। इसके साथ ही उन्हें अपना नाम, पिता का नाम, विषय एवं अनुक्रमांक तथा पत्राचार का पूर्ण पता व मोबाइल नम्बर का उल्लेख करना अनिवार्य होगा।

सजा मिलने के बाद गले में तख्ती, हाथ में बरछा लिए नजर आए सुखबीर सिंह बादल

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल सजा सुनाए जाने के बाद गले में पट्टिका लटकाए व्हीलचेयर पर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंचे। सजा के तहत उन्हें स्वर्ण मंदिर में सेवादार के रूप में काम करना होगा। उन्हें दरवाजे पर ड्यूटी करने के अलावा लंगर की सेवा भी करनी होगी।

दरअसल, अकाल तख्त ने सत्ता में रहते हुए उनके द्वारा की गई गलतियों का हवाला देकर उन्हें सजा सुनाई है।

वहीं, सुखबीर सिंह बादल के पैर में अभी चोट लगी हुई है। इसी वजह से वह व्हीलचेयर पर बैठे हुए नजर आए। वह तीन दिसंबर से दो दिन के लिए गोल्डन टेंपल के घंटाघर के बाहर ड्यूटी करेंगे। इस दौरान, सुखबीर सिंह बादल के गले में तख्ती भी दिखाई दी। यह अकाल तख्त की तरफ से पहनाई गई माफी की तख्ती है। इसके साथ ही उनके हाथ में बरछा भी दिखाई दे रहा है। उनकी सजा शुरू हो चुकी है और फिलहाल, वो सजा निभा रहे हैं। इस दौरान, सुखदेव सिंह ढींडसा भी सजा काटने के लिए पहुंचे। उनके गले में भी तख्ती और हाथ में बरछा दिखाई दिया।

उनसे जब सजा काटने के संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए परमात्मा का हुक्म है और मैं इसका पालन करूंगा। मैं इसका पालन करने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतूंगा। अपनी सजा के तहत वह श्री दरबार साहिब में सेवादार की ड्यूटी करेंगे। इसके बाद वह दो दिन श्री केशगढ़ साहिब, फिर दो दिन श्री दमदमा साहिब तलवंडी साबो, दो दिन श्री मुक्तसर साहिब और दो दिन श्री फतेहगढ़ साहिब में गले में तख्ती पहन और हाथ में बरछा लेकर सजा काटेंगे।

हालांकि, यह कोई पहली बार नहीं है कि जब किसी सिख नेता को इस तरह से सजा सुनाई गई है, बल्कि इससे पहले भी कई सिख नेताओं को सजा सुनाई जा चुकी है। सुखबीर सिंह बादल और सुखदेव सिंह ढींडसा को भी गुरुद्वारे का शौचालय और बर्तन साफ करने की सजा सुनाई गई थी। लेकिन, सुखबीर बादल के पैर में चोट लगे होने और सुखदेव सिंह ढींडसा का स्वास्थ्य खराब होने की वजह से उन्हें सजा में छूट दी गई थी। लिहाजा, उन्हें व्हीलचेयर पर बैठकर सेवादार की सजा सुनाई गई है।

सुखबीर सिंह बादल को यह सजा इसलिए सुनाई गई, क्योंकि उन्होंने साल 2007 में सलाबतपुरा में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस ले लिया था। इसके अलावा, उन पर दूसरा आरोप है कि उन्होंने वोट बैंक के लिए अपने पंथ के साथ गद्दारी की थी।

पीएसी के जवानों का हुआ प्रशिक्षण

महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं से विनम्रता से पेश आने की ट्रेनिंग

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश की पीएसी के विभिन्न वाहिनियों से मेला क्षेत्र में ड्यूटी में आ चुकी सात कंपनियों के जवानों को प्रशिक्षण दिया गया। मेला क्षेत्र की महत्वपूर्ण भौगोलिक जानकारियां प्रदान करने के साथ महाकुंभ आने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों, कल्पवासियों एवं पर्यटकों से मधुर व्यवहार एवं विनम्रता से पेश आने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण निदेशालय लखनऊ से आए लोगों ने चार सत्रों में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक पूर्वी जोन, प्रयागराज डॉ राजीव नारायण मिश्र ने की।

मेले के अनुभवों को साझा करते हुए उत्कृष्ट आचरण एवं व्यवहार के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण निदेशालय से आए आईपीएस विजय ढुल ने पीएसी कर्मियों को सेवाभाव, परोपकार के बारे में बताया।

आईपीएस प्रताप गोपेन्द्र ने महाकुंभ मेले की सांस्कृतिक संवेदनशीलता के संबंध में जानकारी दी। आईपीएस आशुतोष द्विवेदी, श्रद्धालुओं व रजनीश यादव क्षेत्राधिकारी ने महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से बताया। सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेनानायक 4वीं वाहिनी पीएसी मनीष शांडिल्य, उपसेनानायक अनित कुमार, उपसेनानायक डॉ. मनोज कुमार, उपसेनानायक विजय आनंद, पुलिस उपाधीक्षक संदीप वर्मा एवं अब्दुल रजाक व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर निगम सभागार में सिंगल यूज प्लास्टिक की दिलाई शपथ

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश सरकार अरूण कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को नगर निगम सभागार में महाकुम्भ-2025 को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन से किया गया। राज्य मंत्री ने कहा कि प्लास्टिक मीठा जहर है, प्लास्टिक से मानव जीवन के अलावा पशु-पक्षियों व भूमि-मृदा को भी नुकसान पहुंच रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की मुहिम छेड़नी होगी। महाकुम्भ-2025 को स्वच्छ, ग्रीन एवं प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके। सभागार में उपस्थित लोगो को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ-2025 को सफल बनाने की जो मुहिम छेड़ी गयी है, उसे हम सभी को साकार कर सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करते हुए प्रयागराज को ही नहीं बल्कि देश को स्वच्छ व ग्रीन बनाने का कार्य करना है। इस अवसर पर विशेष सचिव वन एवं पर्यावरण, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड चेयरमैन व अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गरबा नृत्य में दिखा संस्कृति, परंपरा और ऊर्जा का संगम

महोबा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कश्मीर के कलाकारों का जमावड़ा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के शिल्प हाट प्रागंण में चल रहे राष्ट्रीय शिल्प मेले की चौथी सांस्कृतिक संध्या में गंगा यमुना तहजीब से सांस्कृतिक कार्यक्रम का दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। शिल्प मेले में एक तरफ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की भीनी सुंगध रही, वहीं दूसरी ओर अनेक प्रकार के हस्तनिर्मित देशज परिधान और सामग्री शिल्प मेला को भव्यता प्रदान कर रहे थे। टेराकोटा तथा लकड़ी के खिलौने व गृह शोभा की सामग्रियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। बुधवार को विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने विविधता को एकता में पिरोते हुए कार्यक्रमों की ऐसी झड़ी लगाई कि मुक्ताकाशी मंच तालियों से गूंज उठा। प्रयागराज के भजन गायक संजय मित्रा ने मधुर आवाज में भजनों की माला से कार्यक्रम को गति दी। 'श्याम रंग रंगा रे, हे दुख बाहन हो रही है जय जयकार' तथा 'मेरा रंग दे बसंती चोला व वहां कौन है तेरा' की प्रस्तुति को श्रोताओं ने सराहा। महोबा से आए शरद अनुरागी एवं दल ने महोबा की लड़ाई 'खट खट खट खट तेगा बोले, बाजे छपक छपक तलवार' को आल्हा गायन के जरिए पेश किया। इसके बाद कश्मीर के कलाकारों द्वारा गीतों पर अपने पारंपरिक परिधानों से सुसज्जित होकर सारंगी की मधुर तान पर रऊफ नृत्य की प्रस्तुति दी गई। उत्तराखंड की माटी की सोंधी महक को प्रकाश विष्ट एवं उनके साथी कलाकारों ने छपेली नृत्य के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाया। महाराष्ट्र से पधारी श्रद्धा सतविद्कर एवं दल ने महाराष्ट्र का पारंपरिक लावणी लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया। इसके अलावा तमिलनाडु से आए शिवाजी राव एवं दल ने कड़गम- मयूर नृत्य की प्रस्तुति दी, जबकि वनराज सिंह एवं दल द्वारा गुजरात का प्रसिद्ध लोकनृत्य गरबा की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन रेनूराज सिंह ने किया।

टाटा पावर-डीडीएल और टीएचडीसीआईएल ने किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) और सार्वजनिक क्षेत्र की टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) ने ऊर्जा क्षेत्र में हुनरमंद कार्यबल और पेशेवर तैयार करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। टाटा पावर-डीडीएल ने बयान में कहा कि हाल में किये गये समझौते का मकसद घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में दक्ष कार्यबल की मांग को पूरा करना है। बयान के अनुसार समझौता ज्ञापन पर टाटा पावर-डीडीएल के मानव संसाधन और औद्योगिक संबंध मामलों के प्रमुख प्रवीण अग्रवाल और टीएचडीसी इंडिया लि. के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. ए.एन. त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। अग्रवाल ने इस बारे में बयान में कहा, '' टीएचडीसीआईएल के साथ यह साझेदारी वास्तव में ऊर्जा क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सहयोग है। दुनिया भर में ऊर्जा क्षेत्र के बदलते परिदृश्य को देखते हुए, हमारा लक्ष्य भारत और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों दोनों के लिए एक प्रशिक्षित तथा योग्य कार्यबल तैयार करना है। '' उन्होंने कहा, '' यह पहल कौशल विकास को बढ़ाने, लोगों को उद्योग की मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को भी बताती है।''

निर्यात बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता में 10 साल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है: वाणिज्य मंत्रालय

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक विश्लेषण में कहा गया है कि रत्नों एवं अर्ध मूल्यवान पत्थरों , पेट्रोलियम तेल तथा कृषि रसायन जैसे विश्व बाजार के कुछ उत्पाद खंडों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में पिछले 10 वर्षों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है।मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार देश कई उत्पाद खंडों में प्रमुख निर्यातक देश बन कर उभरा है।कई अन्य खंडों में विश्व निर्यात बाजार में देश की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

सत्यमेव जयते

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

तीन दिनों की कमजोरी के बाद महंगा हुआ सोना, चांदी के दाम में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से 4300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जीएसटी परिषद ने जीएसटी दर में अभी कोई बदलाव नहीं है किया: सीबीआईसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने अभी तक किसी भी वस्तु एवं सेवाओं की जीएसटी दरों में किसी भी बदलाव पर विचार-विमर्श नहीं किया है। परिषद को मंत्रियों के समूह (जीओएम) की सिफारिशें भी नहीं मिली हैं। वास्तव में जीओएम ने अभी तक इसे पेश नहीं किया है।सीबीआईसी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया है कि विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के संबंध में जीएसटी दर में बदलाव पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) की सिफारिशों के बारे में मीडिया रिपोर्टें समय से पहले और अटकलें हैं। बोर्ड ने कहा कि विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के संबंध में जीएसटी की दर में बदलाव पर जीओएम की सिफारिशों के बारे में मीडिया में कई रिपोर्ट आई हैं। जीओएम के विचार-विमर्श के आधार पर मीडिया में आई सार्वजनिक रिपोर्ट समय से पहले और अटकलें हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि जीएसटी परिषद द्वारा संदर्भित कुछ अन्य मुद्दों के अलावा जीएसटी दर युक्तिकरण पर विचार करने के लिए जीओएम का गठन किया गया था।

कार्स 24 चार महीनों में करेगा 100 से अधिक टेक विशेषज्ञों की भर्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑटोटेक प्लेटफॉर्म कार्स 24 कार की खरीद के अनुभव को बदलने की दिशा में जारी अपने प्रयासों को गति देने के उद्देश्य से अगले चार महीनों में 100 से अधिक टेक विशेषज्ञों को अपने साथ जोड़ने की योजना बनाई है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसके साथ कंपनी कार की खरीद से जुड़े हर पहलु को अधिक स्मार्ट, आसान और सुलभ बनाना चाहती है। 'बैटर ड्राइव्स, बैटर लाईव्स' के दृष्टिकोण के साथ कंपनी ने यह विस्तार किया है, क्योंकि कंपनी का मानना है कि कार, सिर्फ आवागमन का साधन नहीं, बल्कि सपनों, प्रगति और बेहतर जीवनशैली का प्रतीक भी है। इसी के मद्देनज़र आर एण्ड डी, डेटा साइंस, जैन एआई, मशीन लर्निंग, रिएक्ट नेटिव, एण्ड डेवलपमेन्ट, डेटा साइसं, इंजीनियरिंग एवं प्रोडक्ट इनोवेशन में

देवऑप्स, इंजीनियरिंग एवं प्रोडक्ट इनोवेशन जैसे नए रोल्स में टेक विशेषज्ञों को नियुक्त किया जाएगा। इन प्रयासों के साथ कंपनी टेक्नोलॉजी के ज़रिए कार की खरीद से जुड़े हर पहलु को पूरी तरह से बदल देगी। ठस विस्तार से रीसर्च नए रोल्स उत्पन्न होंगे इनमें शामिल हैं- फाउंडर्स ऑफिस के लिए 10एक्स डेवलपर्स (बैकेंड, फ्रंटएंड और मोबाइल), देवऑप्स इंजीनियर्स, एमएल इंजीनियर्स, एसडीईटी मोबाइल एवं आईओएस डेवलपर्स। ये सभी टीमें आधुनिक फीचर्स के विकास पर काम करेंगे जैसे रियल टाईम में कार का इवैल्यूएशन, मेंटेनेन्स पर निगरानी, इंश्योरेन्स रीन्युअल, ड्राइवरों की भर्ती और कार सर्विसिंग- इस तरह सुपर ऐप के ज़रिए सब कुद बेहद आसान और सुलभ हो जाएगा। टीम कार की खरीद के अनुभव को आसान बनाने के लिए यूनिफाईड सिस्टम के विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करेगी।

इसी दृष्टिकोण को साकार करने के लिए कंपनी टेक्नोलॉजी एवं प्रोडक्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 500 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगी। इसका उद्देश्य आधुनिक परिवहन समाधानों, इनोवेशन्स के ज़रिए आज के दौर के उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करना और उन्हें कार की खरीद का बेहतरीन अनुभव प्रदान करना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 1.20 प्रतिशत उबलकर 68.92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 72.64 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

21,772 करोड़ रुपये के रक्षा प्रस्तावों को मंजूरी, अटैक क्राफ्ट और हेलीकॉप्टर्स की होगी खरीद

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने 21,772 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। मंजूर की गई धनराशि से आधुनिक वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट व हेलीकॉप्टर समेत सशस्त्र बलों के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद की जाएगी। इसके साथ ही टी-72 और टी-90 टैंकों, बीएमपी और सुखोई लड़ाकू विमानों के इंजनों के ओवरहाल के लिए भी मंजूरी दी गई है। इससे इनकी सेवा अवधि में वृद्धि होगी। दी गई इस स्वीकृति के अंतर्गत कुल पांच रक्षा सौदों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल नेवी के लिए 31 नई वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट की खरीद को मंजूरी मिली है। 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट (एफआईसी-1) की खरीद के लिए भी स्वीकृति प्रदान की गई है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट (ईडब्ल्यूएस) की खरीद के लिए एओएन प्रदान की गई है। 6 उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) एम (एमआर) की खरीद के लिए भी मंजूरी प्रदान की गई है। डीएसी ने भारतीय नौसेना के लिए 31 नए

वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट (एनडब्ल्यूजेएफएसी) की खरीद की आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की है। इन वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट को तट के करीब कम तीव्रता वाले समुद्री संचालन, निगरानी,गश्ती और खोज व बचाव (एसएआर) कार्यों करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इसके अलावा ये जहाज विशेष रूप से हमारे द्वीप क्षेत्रों में और उसके आसपास समुद्री डकैती रोधी अभियानों में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। डीएसी ने जिन 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट (एफआईसी-1) की खरीद के लिए एओएन प्रदान किया वे जहाज तटीय रक्षा के लिए विमान वाहक, विध्वंसक और फ्रिगेट्स युद्धपोतों व पनडुब्बियों को एस्कॉर्ट करेंगे। इसके साथ ही ये कई अन्य भूमिकाएं निभाने में सक्षम हैं। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट (ईडब्ल्यूएस) में बाहरी एयरबोर्न सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर पॉड्स, अगली पीढ़ी के रडार चेतावनी रिसीवर और सुखोई -30 एमकेआई विमान के लिए संबंधित उपकरण शामिल हैं। यह प्रणाली सुखोई एसयू-30 एमकेआई की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएगी।वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा संरक्षित, दुश्मन के लक्ष्यों के खिलाफ एक मिशन को अंजाम देते समय यह विमान को दुश्मन के रडार और संबंधित हथियार प्रणाली से बचाएगी।

बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 लोकसभा से हुआ पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने, निवेशकों, ग्राहकों और उपभोक्ता की सुविधा तथा सुरक्षा को बढ़ाने संबंधी बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा ने मंगवार को पारित कर दिया। वहीं इस विधेयक के खिलाफ विपक्ष के संशोधन प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन को बताया कि आज बैंकों को पेशेवर तरीके से चलाया जा रहा है। मेट्रिक्स स्वस्थ हैं, इसलिए वे बाजार में जा सकते हैं और बॉन्ड जुटा सकते हैं, ऋण जुटा सकते हैं तथा उसी के अनुसार अपना व्यवसाय चला सकते हैं। उन्होंने बताया कि कहा कि सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक लाभ में आ रहे हैं। वित्त मंत्री ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल बैंक शाखाओं की संख्या एक वर्ष में 3792 बढ़कर सितंबर 2024 में 1,65,501 तक पहुंच गई है। इसमें से 85,116 शाखाएं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हैं। सीतारमण ने सदन को बताया कि पीएम मुद्रा लोन योजना का 68 फीसदी लाभ

महिलाओं को मिला है। उन्होंने कहा कि 2014 से हम बेहद सतर्क रहे हैं, ताकि बैंक स्थिर रहें। उन्होंने सदन को बताया कि हमारा उद्देश्य हमारे बैंकों को सुरक्षित, स्थिर और स्वस्थ रखना है, 10 साल बाद आप इसका परिणाम देख रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत को अपने बैंकिंग क्षेत्र पर गर्व होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पेशेवर रूप से संचालित हो रहे हैं और सरकारी वित्तपोषण पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक आज स्थिर, अच्छी हालत में हैं और अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 65 करोड़ बेसिक बैंक सेविंग्स अकाउंट होल्डर या 54 करोड़ जन-धन अकाउंट होल्डर में से किसी से भी मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर जुर्माना नहीं लिया गया है। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया। उन्होंने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसमें बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम 4 नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है।

गोमैकेनिक ने टॉप असिस्ट लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कार सेवा और मरम्मत प्लेटफ़ॉर्म गोमैकेनिक ने 'टॉप असिस्ट' की शुरुआत की है, जो चौबीस घंटे सातों दिन राष्ट्रव्यापी सड़क किनारे सहायता सेवा है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि किफ़ायती मूल्य निर्धारण, निर्बाध कवरेज और तेज़ प्रतिक्रिया समय के साथ, टॉप असिस्ट का लक्ष्य देश भर के ड्राइवरों के लिए आपातकालीन सहायता में कमी को पूरा करना है। ड्राइवरों को अक्सर लंबे समय तक प्रतीक्षा करने का सामना करना पड़ता है, खासकर राजमार्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में, जिससे वे फंसे और चिंतित रहते हैं। गोमैकेनिक के सह-संस्थापक हिमांशु ने कहा, सड़कें बदल गई हैं, लेकिन ड्राइवरों को जिस सहायता पर भरोसा है, वह नहीं बदली है। ब्रेकडाउन सिर्फ़ असुविधा के बारे में नहीं है - वे ड्राइवरों को फंसे और अनिश्चित छोड़ देते हैं। टॉप असिस्ट सुनिश्चित करता है कि मदद अब कोई सवालिया निशान नहीं है। यह हर समय आपके लिए उपलब्ध है।

भारत दुनिया के शीर्ष 10 उच्च मूल्य वाले उत्पादों के निर्यातकों में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा में भारत ने कई प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के निर्यात में तीव्र वृद्धि दर्ज की है। देश ने वर्ष 2023 में 1 अरब डॉलर से ज्यादा के निर्यात मूल्य के साथ शीर्ष दस वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं में अपनी रैंक को बनाए रखने के साथ-साथ इसमें सुधार किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जारी आंकड़ों के मुताबिक कीमती पत्थरों के वैश्विक बाजार पर अपना दबदबा बनाने से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट जैसे उन्नत क्षेत्रों में पैठ बनाने तक भारत का निर्यात प्रदर्शन देश की बढ़ती आर्थिक ताकत को दर्शाता है। मंत्रालय ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर देश के रणनीतिक फोकस ने प्रभावशाली परिणाम दिए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 2014 में निर्यात 0.23 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में

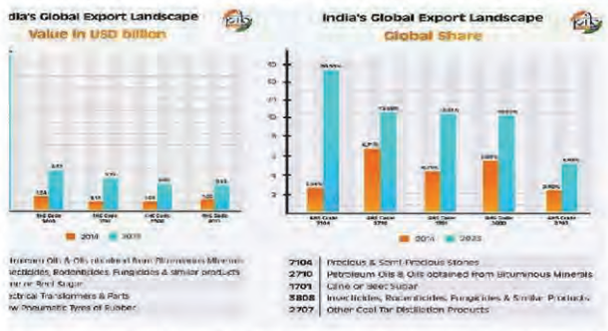

1.91 अरब डॉलर हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में 1.40 फीसदी की हिस्सेदारी हासिल हुई, जिससे 9वां स्थान हासिल हुआ, जो 2014 में 20वें स्थान से महत्वपूर्ण उछाल है। यह प्रगति वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है, जिससे घरेलू विनिर्माण और नवाचार को बढ़ाने के प्रयासों से समर्थन मिलता है। मंत्रालय के मुताबिक कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों के निर्यात में भारत ने खुद को विश्व नेता के रूप में स्थापित किया है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी वर्ष 2014 में 2.64 अरब से बढ़कर वर्ष 2023 में 36.53 फीसदी हो गई। इसके साथ ही 1.52 अरब डॉलर के मूल्य के निर्यात ने भारत की सदियों पुरानी शिल्पकला और रत्न प्रसंस्करण में आधुनिक तकनीक को अपनाने को उजागर किया है।

आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक मोटर और जनरेटर के पुर्जों के निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज गई है, जो 2023 में 1.15 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी 4.86 फीसदी है, जिससे भारत 2014 में 21वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गया है। ये वृद्धि अक्षय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन घटकों की बढ़ती वैश्विक मांग के अनुरूप है, जो भारत को इस परिवर्तनकारी उद्योग में एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। मंत्रालय के मुताबिक पेट्रोलियम क्षेत्र (पेट्रोलियम तेल और बिटुमिनस खनिजों से प्राप्त तेल) में नाटकीय वृद्धि देखी गई है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी की बड़ी छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार की चाल में गिरावट भी आई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही तेजड़ियों ने बाजार में अपना जोर बना दिया। तेजड़ियों की ओर से लगातार हो रही लिवाली की वजह से शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.74 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, मीडिया, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, हेल्थ केयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटोमोबाइल और आईटी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के

शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 453.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.69 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.72 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,738 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,227 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,509 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,850 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 659 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और 9 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.3 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमान को 6.7 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। मॉर्गन स्टेनली ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने अनुमान को फिर से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है, जो इसके पहले के 6.7 फीसदी के अनुमान से कम है। बहुराष?ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 फीसदी पर पहुंचने के कुछ दिनों बाद यह कदम उठाया है। इससे पहले मॉर्गन स्टेनली ने नवंबर की शुरुआत और दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों से पहले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास दर का लक्ष्य घटाकर 6.7 फीसदी कर दिया था। बहुराष?ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी ने

कहा कि सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में भारत के विकास दर में मंदी के बाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को डाउनग्रेड किया गया है। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर घटकर 5.4 फीसदी पर आ गई है, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.7 फीसदी रही थी। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने की काइलैक रेंज में आकर्षक कीमतों की घोषणा

मंडी। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी नई सब 4 मीटर एसयूवी काइलैक को लॉन्च कर इस सेगमेंट में पहली बार कदम रखा है। काइलैक चार वेरिएंट में उपलब्ध होगी क्लासिक,सिग्नेचर, सिग्नेचर प्लस और प्रेस्टीज। इसकी शुरुआती कीमत 7.89 लाख रुपये है जो काइलैक क्लासिक ट्रिम के लिए है जबकि टॉप मॉडल काइलैक प्रेस्टीज एटी की कीमत 14.40 लाख रुपये होगी। ग्राहकों के लिए एक खास ऑफर में पहले 33333 ग्राहकों को 3 साल का स्टैंडर्ड मेंटेनेंस पैकेज मुफ्त मिलेगा।काइलैक के लिए बुकिंग मंगलवार शाम 4 बजे से शुरू हो रही है और डिलीवरी 27 जनवरी 2025 से शुरू होगी।काइलैक को लॉन्च से पहले ही जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। काइलैक हैंड रेज़र,काइलैक क्लब के सदस्य और डीलर पूछताछ के माध्यम से 1.6 लाख से अधिक लोगों ने अपनी रुचि दिखाई है।

शेयर बाजार में लिस्टिंग के जरिए 2 कंपनियों की एंट्री, पहले दिन ही डबल हुए आईपीओ निवेशकों के पैसे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए जोरदार दस्तक दी। इन दोनों कंपनियां के शेयरों की लिस्टिंग से आईपीओ निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा हुआ और उनके पैसे पहले दिन ही लगभग डबल हो गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर आज बायो फ्यूल्स और इसके बाय-प्रोडक्ट्स तैयार करने वाली कंपनी राजपूताना बायोडीजल्स लिमिटेड और डिफेंस इंडस्ट्री को सर्विस देने वाली कंपनी सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के शेयरों की धांसू लिस्टिंग हुई। सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के शेयरों की लिस्टिंग पिछले कुछ समय से शेयरों का अलॉटमेंट नहीं होने की वजह से पेंडिंग पड़ी हुई थी। सोमवार यानी 2 दिसंबर को शेयरों के अलॉटमेंट होने के बाद आज इनकी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 226 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे लेकिन आज इनकी लिस्टिंग एसएमई प्लेटफॉर्म के लिए अधिकतम निर्धारित सीमा 90 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 429.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर थोड़ी ही देर में उछल कर 450.85 के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया और इस स्तर पर ही बंद हुआ। इस तरह से पहले दिन ही इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों के पैसे लगभग दोगुना हो गए।

सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड का 99.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 125.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 31.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 233.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 132.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 43,83,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 29 नवंबर को ही होने वाला था लेकिन एक निवेशक की ओर से गड़बड़ी की शिकायत करने की वजह से शेयरों का अलॉटमेंट टल गया था। निवेशक की शिकायत का निपटारा होने के बाद 2 दिसंबर को शेयरों का अलॉटमेंट हुआ और आज शेयर की लिस्टिंग हुई। आज ही बायोफ्यूल्स और इसके बाय-प्रोडक्ट्स तैयार करने वाली कंपनी राजपूताना बायोडीजल्स लिमिटेड का आईपीओ 22 से 26 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 718.81 गुना के साथ 247 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर थोड़ी ही देर में उछल कर 259.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया और इसी लेवल पर बंद हुआ। इस तरह इस कंपनी के आईपीओ निवेशकों के पैसे भी पहले दिन ही लगभग डबल हो गए। राजपूताना बायोडीजल्स लिमिटेड का 24.70 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 28 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 718.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 177.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,345.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 746.57 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 19 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

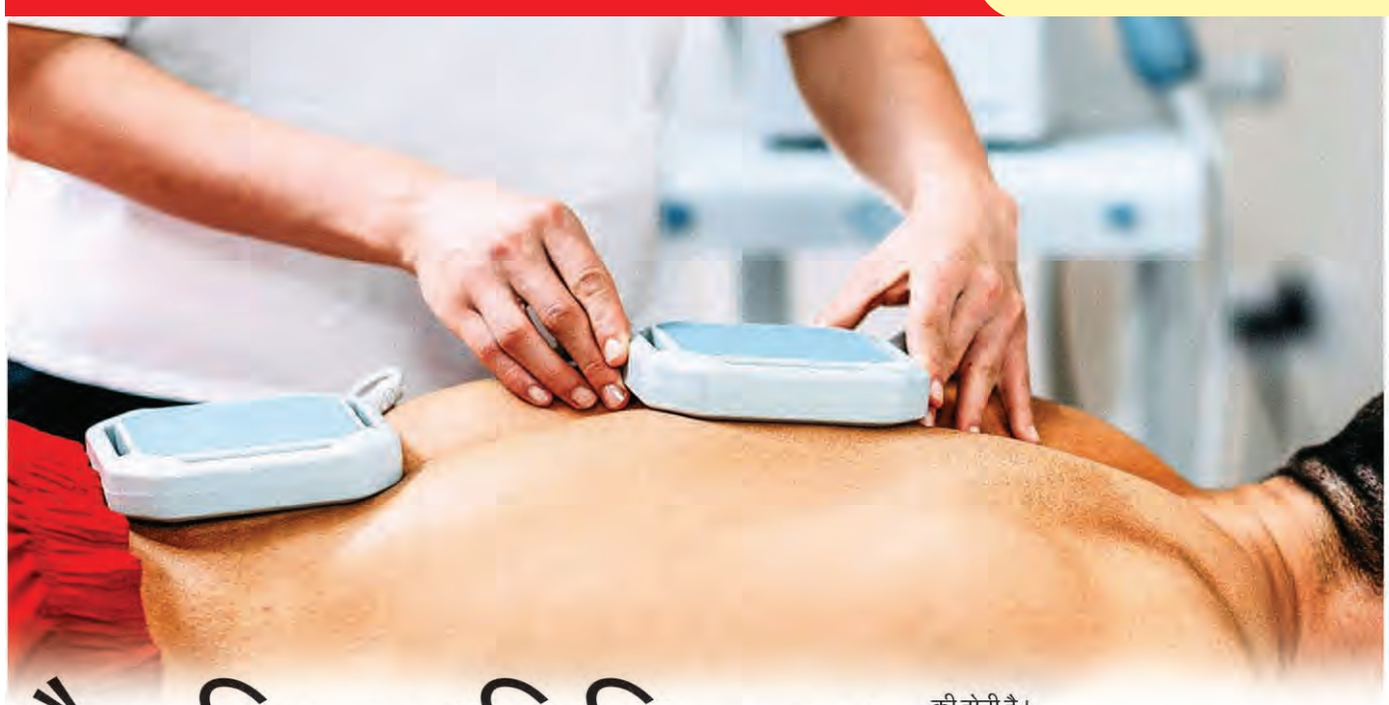

वैकल्पिक चिकित्सा की राह मैग्नेटिक थेरेपी कैसे बनाएं कॅरियर

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है।

नौकरी की संभावनाएं

एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं।

आय

एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

घरेलू महिलाओं के लिए बेस्ट है यह पार्ट टाइम जॉब

फ्रीलांस राइटर भी एक ऐसी जॉब है, जिसे घर से ही किया जा सकता है। अगर आपकी लेखनी में दम है तो आप अपने लिखे लेखों, कविताओं, कहानियों व स्क्रिप्ट आदि को अखबार से लेकर मैगजीन, ऑनलाइन वेबसाइट आदि को भेज सकती हैं। आज के समय में अधिकतर महिलाएं वर्किंग हैं, लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जो फुल टाइम घर-परिवार की जिम्मेदारी उठाना पसंद करती हैं। ऐसे में जॉब करने की जगह पूरा दिन घर को ही देती हैं। लेकिन घर पर रहकर भी अगर आप आर्थिक जिम्मेदारी में अपना सहयोग देना चाहती हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे कई पार्ट टाइम जॉब या काम हैं, जिसे महिलाएं घर से रहकर भी कर सकती हैं और अच्छी खासी आमदनी कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसे कही कुछ काम के बारे में-

ट्यूटर - अगर आपके पास दिन का समय खाली होता है तो आप उस समय अपने आस-पड़ोस के बच्चों को पढ़ा सकती हैं। वर्तमान समय में, बच्चों की पढ़ाई इतनी टफ होती जा रही है कि पैरेंट्स बच्चों के लिए ट्यूटर रखना पसंद करते हैं। अगर आप बच्चों को अच्छी तरह हैंडल करके उन्हें पढ़ा सकती हैं तो बतौर ट्यूटर काम कर सकती हैं।

बेबी सिटर - चूंकि अधिकतर घरों में महिलाएं वर्किंग हैं और इसलिए उन्हें अपने छोटे बच्चों को संभालने के लिए बेबी सिटर की जरूरत होती है। यूं तो आजकल कई क्रच पहले से ही मौजूद हैं, लेकिन उनकी फीस बहुत अधिक होती है और समय भी सुनिश्चित होता है। लेकिन अगर आप घर में बच्चों के लिए किफायती दाम पर अच्छी सुविधाएं व माहौल रखती हैं तो यकीनन पैरेंट्स बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी आपको सौंपेंगे। अगर आपको छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताना अच्छा लगता है तो आप बतौर बेबी सिटर काम शुरू कर सकती हैं।

कॉल सेंटर एजेंट - आज के समय कॉल सेंटर एजेंट बनने के लिए आपको नौ से पांच की जॉब करने की आवश्यकता नहीं है। टेवल से लेकर हॉस्पिटैलिटीज से जुड़ी कई कंपनियां अब घरेलू महिलाओं को भी यह काम मुहैया करा रही है। अगर आपको अपना अधिकतर समय फोन पर गुजारने और कस्टमर्स की मदद करने से कोई परहेज नहीं है तो आप घर से बतौर कॉल सेंटर एजेंट बनकर काम कर सकती हैं।

लेखक - फ्रीलांस राइटर भी एक ऐसी जॉब है, जिसे घर से ही किया जा सकता है। अगर आपकी लेखनी में दम है तो आप अपने लिखे लेखों, कविताओं, कहानियों व स्क्रिप्ट आदि को अखबार से लेकर मैगजीन, ऑनलाइन वेबसाइट आदि को भेज सकती हैं। एक बार अगर आपका लिखा गया लेख उन लोगों को पसंद आता है तो आपको घर बैठे ही काफी अच्छा काम मिल सकता है।

हॉबी को कॅरियर- अगर आपके लिए बाहर जाकर जॉब करना संभव नहीं है तो आप अपनी हॉबी को ही घर से अपना करियर बना सकती हैं। मसलन, अगर आपको पेंटिंग पसंद है तो आप घर से ही पेंटिंग बना सकती हैं और फिर एक्जीबिशन लगा सकती हैं। इस तरह आप मेहंदी आर्टिस्ट बनकर या फिर मेकअप आर्टिस्ट बनकर भी घर से आसानी से काम कर सकती हैं।

ऑनलाइन जॉब - अगर आप घर बैठकर अच्छी आमदनी करना चाहती हैं तो ऑनलाइन जॉब सबसे बेहतर ऑप्शन है। जैसे आप वीडियो बनाकर यूट्यूब के जरिए आमदनी करें या फिर ऑनलाइन ट्यूटर, लैंग्वेज टीचर, योगा टीचर आदि बनकर काम कर सकती हैं। इसके अलावा आप ऑनलाइन सर्वे से लेकर ट्रांसक्रिप्शनिस्ट व ब्लॉगर आदि बनकर कमाई कर सकती हैं।

कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए अपनाएं यह आसान टिप्स

कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए बड़े लक्ष्यों से पहले छोटी सफलताओं पर फोकस करना जरूरी है। आप दो साल बाद या पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं, सिर्फ यही सोचना काफी नहीं है। बल्कि उस जगह तक पहुंचने के लिए रास्ता आपको आज से ही तय करना है। जीवन में हर व्यक्ति सफलता पाने की चाह रखता है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत भी करता है। लेकिन हर व्यक्ति को कॅरियर में सफलता नहीं मिलती। ऐसे में व्यक्ति यह सोचता है कि आखिरकार सफल लोग ऐसा क्या करते हैं या फिर उनमें ऐसी कौन सी खासियत है, जिनसे उनके हाथ सिर्फ तरक्की लगती है। अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। कॅरियर को बेहतर बनाना वास्तव में इतना भी कठिन नहीं है। बस आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए आपको क्या करना चाहिए

बनाएं छोटे गोल्स

कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए बड़े लक्ष्यों से पहले छोटी सफलताओं पर फोकस करना जरूरी है। आप दो साल बाद या पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं, सिर्फ यही सोचना काफी नहीं है। बल्कि उस जगह तक पहुंचने के लिए रास्ता आपको आज से ही तय करना है। बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। मसलन, कॅरियर में जो मुकाम आप हासिल करना चाहते हैं, उसके लिए आपके भीतर कौन-कौन सी क्वालिटी होनी चाहिए और अपने स्किल्स को इंप्रूव करने के लिए आप क्या करते हैं, यह भी बेहद जरूरी है। इसलिए हर दिन कुछ छोटे-छोटे गोल्स तय करें। जब आप ऐसा करेंगे तो बड़ी सफलता आपको खुद ब खुद मिल जाएगी।

स्मार्ट वर्क

आज के समय में सिर्फ हार्ड वर्क करना ही काफी नहीं है, बल्कि यह भी जरूरी है कि आप स्मार्ट वर्क करना सीखें। अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन उसे कोई नोटिस नहीं करता या फिर उसका श्रेय कोई और ले लेता है तो इससे आप कभी भी अपने करियर को बेहतर नहीं बना पाते। इसलिए अपने काम पर फोकस करने के साथ-साथ आप इस बात का भी ध्यान दें कि वह आपके सीनियर्स की नजर में आए। आप चाहें तो अपने द्वारा किए गए कार्य को सोशल मीडिया पर पोस्ट करें व अपने सीनियर्स से फीडबैक लें। इस तरह आपका काम दूसरों की नजर में आएगा और आपकी सफलता के चांसेज बढ़ेंगे।

बनाएं नेटवर्क

वर्तमान समय में कॅरियर को बेहतर बनाने में नेटवर्क भी बेहद काम आता है। जब आप अपनी फील्ड में लोगों से जुड़े होते हैं और उनसे आपके बेहतर संबंध होते हैं तो कोई भी अवसर आपसे छूटता नहीं है। हो सकता है कि आपको इंटरनेट या अन्य तरीकों से सिर्फ जॉब के बारे में पता चले, लेकिन जब उस कंपनी में जॉब करने वाला कोई व्यक्ति आपका जानकार होता है तो आपको कंपनी की पॉलिसी व उसके माहौल के बारे में भी पता चलता है, जिससे आपके लिए यह डिसाइड करना आसान हो जाता है कि आपके लिए वहां जॉब करना सही रहेगा या नहीं। बेहतर नेटवर्क एक नहीं, बल्कि कई तरीकों से आपके कॅरियर को बेहतर बनाने में मदद करता है।

ऑफिस शिष्टाचार

अमूमन लोग सोचते हैं कि सिर्फ अच्छा काम करके ही सफलता प्राप्त की जा सकती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। आपके काम की क्वालिटी के साथ-साथ अन्य कई चीजों को भी ऑफिस में नोटिस किया जाता है। जैसे आपके अपने कलीग्स के साथ कैसे रिश्ते हैं। आप ऑफिस समय पर आते हैं या नहीं, आपको डेडलाइन पर काम करने की आदत है या नहीं, इसके अलावा बॉडी लैंग्वेज व अन्य कई बातों पर भी ऑफिस में बॉस व सीनियर्स ध्यान देते हैं। इसलिए अपने कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए आप हर छोटी-छोटी बात पर ध्यान दें।

जेईई परीक्षा की तैयारी में मील का पत्थर साबित होंगे यह टिप्स

जेईई की तैयारी करते समय आपका माइंड एकदम क्लीयर होना चाहिए। आप सबसे पहले बेसिक और महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट को ध्यान से पढ़ें। इसके लिए आप एनसीईआरटी की किताबों के अलावा आप कुछ लिमिटेड जेईई रेफरेंस बुक की मदद लें।

देश भर में स्थित कई में मेधावी छात्रों को प्रवेश देने के लिए हर साल जेईई आयोजित करता है। जो छात्र जेईई को एक टॉप स्कोर के साथ पास करना होता है। यह नेशनल लेवल का एक बेहद टफ एंट्रेंस एग्जाम है और बिना तैयारी के इसे क्लीयर कर पाना या अच्छे स्कोर प्राप्त करना काफी कठिन होता है। जेईई दो चरणों में आयोजित किया जाता है- जेईई मेन्स और जेईई एडवांस्ड। छात्रों को जेईई एडवांस में आने के लिए पहले जेईई मेन्स क्वालिफाई करना पड़ता है। जेईई में प्राप्त अंक और रैंक ही छात्रों के भाग्य का फैसला करते हैं। टॉप स्कोरर को आसानी से टॉप आईआईटी संस्थान में दाखिला मिल जाता है। इतना ही नहीं, वह अपनी मनपसंद ब्रांच में पढ़ाई कर सकते हैं। हालांकि यह सब करना इतना आसान नहीं है। अगर आप सच में जेईई में अच्छे अंक लाना चाहते हैं तो आपको हार्डवर्क के साथ-साथ स्मार्ट वर्क करना होगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जो जेईई एग्जाम की तैयारी में आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे

महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट को करें क्रैक

जेईई की तैयारी करते समय आपका माइंड एकदम क्लीयर होना चाहिए। आप सबसे पहले बेसिक और महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट को ध्यान से पढ़ें। इसके लिए आप एनसीईआरटी की किताबों के अलावा आप कुछ लिमिटेड जेईई रेफरेंस बुक की मदद लें।

टाइम मैनेजमेंट

जेईई की तैयारी के लिए आपको सबसे ज्यादा जिस बात का ध्यान रखना है, वह है टाइम। इस साल से भले ही सवालों की संख्या कम हो गई हो, लेकिन प्रश्न काफी कठिन हो गए हैं। जिसके कारण आपको समय का खास ख्याल रखना होता है। जेईई की तैयारी के दौरान ही आपको टाइम पर अधिक फोकस करना होगा। अगर आप एक उचित रणनीति बनाकर परीक्षा की तैयारी करते हैं तो आपके लिए एग्जाम को क्रैक करना इतना भी मुश्किल नहीं होगा। साथ ही आप एग्जाम की तैयारी के साथ-साथ रिवीजन पर भी ध्यान दें, ताकि आप आगे बढ़ते हुए पीछे का भूलते ना जाएं।

दिव्यांगजनों ने 'हम किसी से कम नहीं' को साबित कर दिखाया : सीएम योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांग शब्द और भावनाओं को सम्मान देकर उन्हें गरिमापूर्ण तरीके से जीवन और हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला तो अपनी प्रतिभा से उन्होंने इस शब्द की पुष्टि की। सीएम योगी ने ऋषि अष्टावक्र, महाकवि सूरदास, भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य समेत अनेक उदाहरण दिए।

उन्होंने कहा कि जिन्हें भी मंच और समाज का प्रोत्साहन-संबल मिला तो उन्होंने देश-दुनिया और मानवता को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया और यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं। 'विश्व दिव्यांग दिवस' इसी दृष्टिकोण को अपनाने के लिए समाज को नई प्रेरणा प्रदान करने का माध्यम है।

सीएम योगी ने 'विश्व दिव्यांग दिवस' पर मंगलवार को लोकभवन में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित किया। राजकीय स्पर्श बालिका विद्यालय मोहान रोड की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की और प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती (राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस) की भी शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हर तबके के लिए कार्य करते हुए पीएम मोदी के विजन 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य के अंदर दो-दो दिव्यांग विश्वविद्यालय (लखनऊ में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय) है। अलग-अलग क्षेत्रों में दृष्टिबाधित, मूक बधिर व अन्य बच्चों के लिए भी कॉलेज संचालित हैं, लेकिन इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें प्रशिक्षित शिक्षक हों, उन्हें अच्छा मानदेय, सुविधाएं, प्रशिक्षण मिले और तकनीक से सक्षम बनाया जाए। इस पर और कार्य करने की

आवश्यकता है।

सीएम योगी ने कहा कि कार्य करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए, फंड बाधा नहीं है। यदि चुपचाप तैयारी करेंगे तो रिजल्ट प्रतिभा को प्रदर्शित कर देगा। 2017 में प्रदेश में केवल 7-8 लाख दिव्यांगजनों को पेंशन मिलती थी, वह भी महज 300-300 रुपये। यह राशि छह महीने में आती थी तो आधा पैसा बाबू खा जाता था, लेकिन हम लोग सीधे लाभार्थी के खाते में धनराशि भेजते हैं।

हमने यह राशि 300 रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये की। अब 11 लाख दिव्यांगजन 12 हजार रुपये वार्षिक पेंशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। तीन हजार रुपये मासिक कुष्ठावस्था पेंशन पीड़ित व्यक्ति के परिवार को उपलब्ध कराते हैं। यह भी तय किया गया कि इन परिवारों को पीएम/सीएम आवास भी देंगे। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवाओं में दिव्यांगों के लिए 4 फीसदी आरक्षण की भी व्यवस्था है। कानपुर देहात के रामचंद्र गुप्ता की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि दिव्यांग होने के बावजूद वे स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के मॉडल हैं। अपने माध्यम से बच्चों के लिए बड़ा केंद्र का संचालन करते हैं। इससे साबित होता है कि इच्छाशक्ति होगी तो बड़े से बड़ा कार्य किया जा सकता है। दिव्यांगजनों की प्रतिभा व ऊर्जा का सबसे अच्छा उदाहरण पेरिस पैरालंपिक रहा, जिसमें शानदार प्रदर्शन से मेडल की झड़ी लग गई थी।

सीएम योगी ने कहा कि सरकारी भवनों व संस्थाओं से कहा गया है कि दिव्यांगजनों के लिए रैंप बनवाएं। परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगों की निःशुल्क यात्रा के लिए 40 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। शादी-विवाह के लिए (40 फीसदी वाले दंपती) पति के दिव्यांग होने पर 15 हजार, पत्नी के लिए 20 हजार व दोनों के दिव्यांग होने पर 35 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराते हैं। दुकान निर्माण के लिए 20 हजार व दुकान, गुमटी, हाथ ठेला संचालन के लिए 10 हजार रुपये अनुदान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से दिव्यांगजनों के लिए अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। विभिन्न प्रकार की सर्जरी के लिए अनुदान राशि 8 हजार से बढ़ाकर 10 हजार रुपये की गई है। कृत्रिम अंग वितरण, मूकबधिर बच्चों के कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के लिए छह लाख रुपये तक की राशि दी गई है। प्रदेश में इस वर्ष 24 सर्जरी हुई है। सरकार प्रदेश में तमाम संस्थाओं के संचालन में भी मदद कर रही है। प्री प्राइमरी से लेकर 'बचपन डे केयर्स' स्थापना के साथ ही मेरठ, बरेली व गोरखपुर में मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से जुड़े अनेक कार्यक्रमों को सरकार ने बढ़ाया। 2016-17 में विभाग को 1,295 करोड़ बजट दिया जाता था, अब यह राशि लगभग 2,800 करोड़ रुपये हो गई। इसमें 116 प्रतिशत की वृद्धि की गई। 2016-17 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के लिए 107 करोड़ बजट आवंटित था, इससे 5.19 लाख छात्र-छात्राएं लाभान्वित होती थी। अब बजट 160.16 करोड़ किया गया है, जिससे 7.58 लाख विद्यार्थी लाभ ले रहे हैं।

पर्यटन विभाग भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों के बारे में देश-विदेश में रोड शो एवं व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है

लखनऊः उत्तर प्रदेश में भगवान बुद्ध से जुड़े कई विश्वविख्यात पर्यटन स्थल हैं। इन स्थलों पर विभिन्न देशों के बौद्ध अनुयायी वर्षपर्यन्त दर्शन के लिए आते रहते हैं। इसी क्रम में 29 नवम्बर से 02 दिसम्बर तक मलेशिया से पधारे एक बौद्ध अनुयायियों के दल ने आनन्द बौद्ध वृक्ष, जेतवन विहार, कच्ची और पक्की कुटी, महेथ, गोल्डन टेम्पल आदि स्थानों का भ्रमण किया। इसके अलावा कपिलवस्तु में पिपरहवा स्तूप, गनवरिया, कपिलवस्तु संग्रहालय, बुद्धाथीम पार्क आदि को भी देखा। पर्यटन विभाग भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थ स्थलों को सजाने संवारने का निरन्तर कार्य कर रहा है। इसके साथ ही विदेशों में रोड शो एवं प्रचार प्रसार करके बौद्ध भिक्षुओं को उ0प्र0 आने के लिए आमंत्रित भी कर रहा है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उ0प्र0 की पावन धरती भगवान बुद्ध की कर्मस्थली रही है। उन्होंने अपने उपदेश के लिए उ0प्र0 चुना था और यहीं पर उनका महापरिनिर्वाण भी हुआ था। इसलिए उ0प्र0 बौद्ध धर्म का एक अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में जाना जाता है। पर्यटन विभाग मिशन के तहत पूरे देश और दुनिया में बौद्ध स्थलों का प्रचार प्रसार कर रहा है। इसके साथ ही विभिन्न देशों के बौद्ध अनुयायियों, टूर टेज्वेल आपरेटर्स आदि को बुद्ध सर्किट के अंतर्गत आने वाले स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है। जयवीर सिंह ने बताया कि मलेशिया से आये हुए बौद्ध भिक्षुओं ने लखनऊ से श्रावस्ती के लिए प्रस्थान किया। इसके अलावा कुशीनगर में महापरिनिर्वाण स्तूप, सभागार स्तूप, मेडिटेशन पार्क, श्रीलंका बुद्धिष्ट टेम्पल आदि का भ्रमण किया। सारनाथ में धामेक स्तूप, चौखंडी स्तूप, मूलगंध कुटी विहार, बोधि वृक्ष, संग्रहालय को देखा। साथ ही भगवान शिव की नगरी काशी में विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती का दर्शन किया। अतिथियों ने क्रूज से गंगा भ्रमण का आनंद लिया। इसके अलावा काशी के अध्यात्मिक स्वरूप एवं प्राचीनता की विविधिताओं से रूबरू हुए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास करने वाला राज्य हैं। अभी हम घरेलू पर्यटन के मामले में देश में पहले स्थान पर हैं। विदेश से आने वाले पर्यटकों के मामले में भी यह उपलब्धि हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। महाकुम्भ-2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को उ0प्र0 के विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक स्थलों के भ्रमण के लिए व्यापक प्रचार प्रसार की रणनीति बनाई गयी है। श्रद्धालुओं के लिए ठहरने आदि की भी सुविधा सुलभ कराई जायेगी। महाकुम्भ में आने वाले तीर्थ यात्रियों को भारत की सांस्कृतिक विविधिता तथा कुम्भ के ऐतिहासिकता के बारे में जानकारी दी जायेगी।

सेवानिवृत्त एडीओ पंचायत नर्वदेश्वर तिवारी का समारोह पूर्वक हुआ सम्मान

भांवरकोल/ गाजीपुर। ब्लाक मुख्यालय के सभागार में सेवानिवृत्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत नर्वदेश्वर तिवारी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा नेता व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आनंद राय मुन्ना ने उनका माल्यार्पण कर उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया । इस मौके पर उन्होंने समारोह में उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर चर्चा करते करते हुए कहा कि सेवानिवृती शासन की एक अनिवार्य प्रकिया है। जिसे सभी सरकारी सेवारत लोगों को गुजरना पड़ता है। उन्होंने श्री तिवारी को कुशल प्रशासक व व्यवहार कुशल बताया।उनकी कार्य प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आप सभी लोगों के लिए अनुकरणीय है। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी कमलेश यादव ने उनके मंगल जीवन की कामना किया की। समारोह में चंद्रिका प्रसाद,राजकुमार यादव ,महताब आलम व पवन पांडेय ने उन्हें कुशल एवं शानदार प्रशासक बताया । कार्यक्रम का संचालन सहायक विकास अधिकारी पंचायत सूर्यभानु राय ने किया। कार्यक्रम में विकासखंड के सभी सचिव ,सहायक विकास अधिकारी ,रोजगार सेवक,पंचायत सहायक तथा ग्रामीण सफाईकर्मी उपस्थित रहे।

हिंदू रक्षा समिति के तत्वाधान में निकाली गई जन आक्रोश रैली

बहराइच। बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा किए जा रहे अत्याचार के विरुद्ध हिंदू रक्षा समिति के तत्वधान में हजारो की संख्या मे हिन्दु समाज के लोगो ने जन आक्रोश रैली निकालकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौपा।जन आक्रोश रैली गेंदघर मैदान से प्रारंभ होकर छावनी चौराहा, घंटाघर चौक, पीपल तिराहा, नगर पालिका होते हुए धरना स्थल पहुंची जहाँ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा गया।राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि विभिन्न संचार माध्यमों से विदित है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट ,आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार संपूर्ण हिंदू समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक एवं चिंताजनक है। वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसियां केवल मुकदर्शक बनी हुई है।

ऊर्जा मंत्री ने मऊ में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का किया प्रचार-प्रसार

लखनऊः उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने मंगलवार को मऊ जनपद में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को इस योजना के महत्व और लाभों के बारे में जानकारी दी। उत्तर प्रदेश में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन राज्य को स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर करेगा।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हर घर तक स्वच्छ ऊर्जा पहुंचाने की दिशा में यह योजना एक बड़ा कदम है। सौर ऊर्जा न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि यह आर्थिक रूप से भी आमजन के लिए फायदेमंद है। सरकार हर घर को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

लोगों को सरकार की ओर से रूफटॉप सोलर लगवाने के लिए सब्सिडी दी जा रही है, जिसका लाभ लेकर लोग अपने बिजली के बिलों को कम करके आर्थिक रूप से सक्षम बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त आसान किस्तों पर ऋण और बिजली बिलों में बचत के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर आय अर्जित करने की सुविधा भी उपलब्ध है। ए0के0 शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 13 फरवरी, 2024 को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली घर का शुभारंभ किया था और पूरे देश में इसके तहत एक करोड़ घरों को सोलर रूफटॉप से जोड़ने का लक्ष्य है। प्रदेश में 25 लाख घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाये जाने हैं। इस योजना का लाभ लेकर लोग 25 वर्षों तक बिजली के बिलों के भार से मुक्त हो सकते हैं।

सबसे कम उम्र में फांसी की सजा पाने वाले क्रांतिकारी थे खुदीराम बोस

बहराइच। स्थानीय सेनानी भवन सभागार में देश के स्वतंत्रता इतिहास में सबसे कम उम्र में फांसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारी खुदीराम बोस का 135 वां जन्मदिवस मंगलवार को मनाया गया। कार्यक्रम में सेनानी उत्तराधिकारियों ने खुदीराम बोस की देशभक्ति और क्रांति के विचारों की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन संरक्षक और पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने कहा कि खुदीराम बोस भारत के सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी थे,उनका जन्म 03 दिसम्बर 1889 को पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले के हबीबपुर गांव में हुआ था, उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध किया। प्रफुल्ल चाकी के साथ खुदीराम बोस ने 30 अप्रैल 1908 की संध्या पर मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड की हत्या करने की कोशिश की थी। प्रफुल्ल चाकी को पुलिस गिरफ्तार करने गयी तब उन्होंने स्वयं पर गोली चला कर आत्महत्या कर लिया। संगठन के प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री रमेश कुमार मिश्र ने कहा कि खुदीराम बोस को पुलिस ने गिरफ्तार किया 11अगस्त1908 को भगवदगीता हाथ में लेकर खुदीराम बोस धैर्य के साथ खुशी खुशी फांसी पर चढ़ गये,वो युगांतरकारी संगठन से जुड़े हुए थे। फांसी के समय जेल के बाहर उन्हें विदाई देने के लिए एक बड़ी भीड़ वन्देमातरम् का गायन कर रही थी। बालगंगाधर तिलक ने खुदीराम बोस की शहादत पर कई लेख लिखे हैं। बहराइच संगठन अध्यक्ष कर्मवीर सिंह एडवोकेट ने कहा कि खुदीराम बोस को भारतीय ब्रिटिश पुलिस अधिकारी नन्द लाल बनर्जी द्वारा गिरफ्तार किया गया जिसे बाद में नरेन्द्र नाथ बनर्जी ने गोली मारी थी। खुदीराम बोस को जब पहली बार गिरफ्तार किया गया था उन दिनों जिला जज डगलस किंग्सफोर्ड हुआ करता था। श्रावस्ती संगठन के अध्यक्ष यदुनाथ प्रसाद यादव ने कहा कि किंग्सफोर्ड भारतीयों को कोड़े की सजा देता था उसने पन्द्रह साल के खुदीराम बोस को भी पन्द्रह कोड़ों की सजा सुनाई थी। जिससे बदला लेने के उद्देश्य से खुदीराम बोस ने उसकी बग्घी पर बम फेंका।अन्त में सभी सेनानी उत्तराधिकारियों ने अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कार्यक्रम समाप्त किया। कार्यक्रम में हनुमंत शरण श्रीवास्तव, तुलसी राम मौर्य, संगठन महामंत्री राजू मिश्र उर्फ मुन्ना भैया, संयुक्त महामंत्री आदित्य भान सिंह, बाबूलाल गुप्ता, अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ मुकेश श्रीवास्तव सहित तमाम सेनानी उत्तराधिकारी मौजूद रहे।

महादेवा महोत्सव के मंच पर शानदार संगीत संध्या

लखनऊ। विगत कई वर्षों से आयोजित होने वाले महोत्सवों की श्रंखला में महादेवा महोत्सव का नाम शीर्ष पर है। रामनगर में भव्य समारोह के रूप में चल रहे इस आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से जाने माने कलाकारों का जमावड़ा लगा रहता है। प्रतिदिन होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने के लिए दूर दराज से दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ती है। इस बहुत प्रतीक्षित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुप्रसिद्ध भजन गायक पं किशोर चतुर्वेदी, पं लच्छू जी महाराज ग्रुप समेत सुर ताल संगम के उत्कृष्ट कलाकारों को आमंत्रित किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर रही अग्रणी संस्था सुर ताल संगम के प्रमुख पदाधिकारियों और नवोदित कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से खूब समां बांधा। संगीत संध्या का शुभारंभ मशहूर गायिका डॉ जया श्रीवास्तव ने सत्यम् शिवम् सुंदरम् भजन सुनाकर किया जिसमें शास्त्रीय नृत्य से चार चांद लगाए नवोदित कथक नृत्यांगना इशिका त्रिपाठी ने। फिर लगातार सदाबहार गीतों पर दर्शकों की तालियों से पूरा महोत्सव पंडाल गूंजता रहा। प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों में सुर ताल संगम के प्रमुख पदाधिकारी अतुल श्रीवास्तव, अनीता सिंह, रमन श्रीवास्तव, प्रकाश खन्ना आदि सम्मिलित हुए। महादेवा महोत्सव के मंच पर विशेष आकर्षण बने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायक और संगीत प्रशिक्षक अविजित श्रीवास्तव तथा सात वर्षीय बाल कलाकार अद्विका सहित नृत्यांगना इशिका के मेरे ढोलना गीत के अद्वितीय प्रदर्शन ने खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

पत्रकारिता के अजातशत्रु हैं अच्युतानंद मिश्र

वरिष्ठ संपादक पर केंद्रित पुस्तक का लोकार्पण समारोह में जुटे मीडिया दिग्गज

नई दिल्ली, 03 दिसंबर।

वरिष्ठ पत्रकार, संपादक और लेखक श्री अच्युतानंद मिश्र के जन्मदिन पर इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व पर केन्द्रित पुस्तक ह्यअच्युतानंद मिश्रः समावेशी शब्द साधकह्न का लोकार्पण सोमवार को किया गया। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीषचंद्र शुक्ल हैं और इसका

प्रकाशन प्रलेक प्रकाशन, मुंबई ने किया है। पुस्तक का लोकार्पण आईजीएनसीए के अध्यक्ष श्री रामबहादुर राय, सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, कलानिधि प्रभाग के अध्यक्ष व डीन (प्रशासन) प्रो. रमेश चंद्र गौड़, माधवराव सप्रे संग्रहालय, भोपाल के संस्थापक-संयोजक श्री विजयदत्त श्रीधर, मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, भोपाल के मंत्री संचालक श्री कैलाशचंद्र पंत और प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो. चंद्रकला त्रिपाठी और प्रो. कृपाशंकर चौबे ने किया। इस अवसर पर श्री अच्युतानंद की भी गरिमामय उपस्थिति रही। लोकर्पण में पुस्तक के संपादक डॉ. मनीषचंद्र शुक्ल और प्रकाशक जितेंद्र पात्रो भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान अच्युतानंद मिश्र के सहयोगी रहे साहित्यकारों और पत्रकारों ने अपने संस्मरण साझा किए। सबके संस्मरण भिन्न-भिन्न थे, लेकिन सबके संस्मरण से यह बात समान रूप से उभरी कि अच्युतानंद जी परिवार के बड़े की तरह सबकी बहुत चिंता करते हैं और अत्यंत समावेशी हैं। कोई भी उनसे अपना दुख-सुख निःसंकोच कह सकता है। उनके अंदर ममत्व और अपनत्व का भाव अद्भुत है। हिन्दी के प्राध्यापक रहे प्रो. रामाश्रय रत्नेश कहा कि उनमें निर्णय लेने की गजब की क्षमता है। उनका व्यक्तित्व चुंबकीय था। वरिष्ठ पत्रकार अरुण त्रिपाठी ने कहा कि अच्युता जी पत्रकारिता के अजातशत्रु हैं। ट्रिब्यून, चंडीगढ़ के संपादक श्री राजकुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार और पत्रकारिता के अध्यापक प्रो. गोविंद सिंह, माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक श्री बालेंदु शर्मा दाधीच, वरिष्ठ पत्रकार श्री संत समीर, भारतीय जनसंचार संस्थान के प्रो. प्रमोद कुमार, वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती नीरजा माधव, श्री आचार्य कृपलानी मेमोरियल ट्रस्ट के श्री अभय प्रताप, वरिष्ठ पत्रकार श्री उमेश चतुर्वेदी, प्रसिद्ध साहित्यकार श्री ज्योतिष जोशी ने अपने संस्मरण साझा किए। सबने उनके शतायु होने की कामना की।

श्री अच्युतानंद मिश्र जी ने सभी वक्ताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके प्रति जितने अच्छे-अच्छे विशेषणों का प्रयोग वक्ताओं ने किया, वह उनका प्रेम है। उन्होंने कहा, मैंने कोई नया काम नहीं किया है, कोई अनोखा काम नहीं किया है। मैं आप सब के बीच से ही हूं और आप सब मेरे बहुत प्रिय हैं।

उन्होंने बीते दौर के पत्रकारों और संपादकों से लेकर आज के दौर की पत्रकारिता पर भी बात की और कहा कि हर स्थिति में संपादकों को संघर्ष करना पड़ा है। उन्होंने कहा, भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी तक जिन लोगों ने उस दौर की पत्रकारिता की है, वो तो बहुत महान थे, लेकिन उसके बाद की जो पीढ़ी हुई, 1950 के बाद तो उस समय पराड़कर जी भी जीवित थे, अज्ञेय जी जीवित थे, तमाम नई पीढ़ी के संपादक जीवित थे और उन लोगों ने कम संघर्ष नहीं किया है।

उन्होंने कहा, उन संपादकों को भी हम लोगों ने देखा है, ये हमारे सामने ही हुआ है, चाहे अज्ञेय जी रहे हों, या विद्यानिवास मिश्र जी रहे हों, किन-किन ढंग से उनके प्रबंधन ने उनको अपमानित किया, किन परिस्थितियों में रखा, तो ये सारी तस्वीरें हमारे सामने हैं। हिन्दी पत्रकारिता की जो स्थिति बन गई है, उसमें टेक्नोलॉजी के नाम पर मालिकों ने सबसे पहले अपना विचार बदल दिया, अपनी परिस्थितियां बदल दीं। मुझे याद है कि प्रिंट मीडिया के बाद जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आया था, तो उस समय यह समझा गया था कि प्रिंट मीडिया खत्म हो जाएगा, अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से आगे बात डिजिटल मीडिया आ गया है। तो हर परिस्थिति में संपादकों को संघर्ष ही करना पड़ा है, क्योंकि मालिकों की भूमिका बदल गई है। और स्वाधीनता के बाद के भी संपादक, जिनका जिक्र किया मैंने, वे सब लोग इस संघर्ष के साक्षी रहे हैं, शामिल रहे हैं। आज के संपादक तो मालिकों के साथ ही रहते हैं, मालिकों के हिसाब से ही व्यवहार करते हैं। अपने सहयोगियों के लिए स्टैंड लेने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। मालिकों से मिलकर ही वे अपने साथियों के साथ व्यवहार करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री रामबहादुर राय ने कहा कि अच्युतानंद जी को लेकर वक्ताओं ने जो विचार प्रकट किए हैं, उनमें से किसी ने अतिरंजना नहीं की है, बल्कि अच्युतानंद जी का व्यक्तित्व और कृतित्व सचमुच विराट है। हर व्यक्ति भिन्न है

, लेकिन अच्युतानंद जी से अभिन्न है और ये भिन्नता यहां प्रकट हुई है तथा अभिन्नता भी प्रकट हुई। उन्होंने यह भी कहा कि लोकार्पित पुस्तक में सभी पक्ष आए हैं, लेकिन पत्रकार और संपादक रहते अच्युतानंद जी ने जन आंदोलनों को जो सहयोग किया है, वह भी लोगों के सामने आना चाहिए। और, यह सब एक आत्मकथात्मक पुस्तक में आना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा, इस पुस्तक में महाश्वेता देवी जी का अच्युता जी पर लिखा हुआ जो पहला लेख है, वह पढ़िए। आज अपेक्षित विचार का पोषण कैसे किया जाए, यह प्रश्न महाश्वेता जी ने उठाया है और इसका उत्तर कोई देता है, तो वे श्री अच्युतानंद मिश्र हैं।

वह शतायु हों, स्वस्थ रहें और ऐसे ही हमारा मार्गदर्शन करते रहें। मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के मंत्री संचालक श्री कैलाश चंद्र पंत ने अच्युतानंद मिश्र जी के साथ अपने सम्बंधों को बहुत आत्मीयता से याद किया और कहा कि जैसा पुस्तक का शीर्षक है, अच्युतानंद जी समावेशी शब्द साधक हैं। शब्द की साधना और ब्रह्म की साधना समान है। शब्द की साधना हो जाती है, तो साधक समावेशी हो जाता है। शब्द के अभाव में कोई विचार जन्म ले ही नहीं सकता है। सप्रे संग्रहालय, भोपाल के संस्थापक-संपादक श्री विजयदत्त श्रीधर जी ने अच्युतानंद मिश्र जी जुड़े कई प्रेरक संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा, मेरी उनसे बहुत निभी। मेरा जो एकांगी दृष्टिकोण था, उनसे मिलने के बाद उसका विस्तार हुआ। अच्यतानंद जी के कुलपति काल में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय ने मुझे बहुत सिखाया। उसका श्रेय अच्युता जी को ही जाता है।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

उपसंपादक: राकेश द्विवेदी

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुक्की ,

सहायक संपादक: रिजवान सैफ खान,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169 । इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी